सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बाहर से शांत पाटीदार के भीतर सफलता के लिए -पेज: 7

श्वेता त्रिपाठी बनेंगी थिएटर निमार्ता..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 58 | शुक्रवार 06 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- भारत, पाकिस्तान को तराजू के एक ही पलड़े में नहीं तौला जाना चाहिए

कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताई और कहा कि सरकार द्वारा ऐसे कूटनीतिक प्रयास किए जाएं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा...

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताई और कहा कि सरकार द्वारा ऐसे कूटनीतिक प्रयास किए जाएं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को दो अहम जिम्मेदारियां मिलना भारतीय विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है, लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराना कैसे जारी रख सकता है? पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है। 'पाकिस्तान-भारत की बराबरी नहीं की जा सकती' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान से पैदा होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को समझने और उसका समर्थन करने का आह्वान करती है। पाकिस्तान आतंक का जनक है। भारत आतंक का शिकार है। दोनों की बराबरी नहीं की जा सकती। उन्हें एक तराजू के एक ही पलड़े में नहीं रखा जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि आईएमएफ, एडीबी और विश्व बैंक द्वारा ऋण और प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी देने या इसका निर्णय लेने से केवल पाकिस्तान के सैन्य खर्च में वृद्धि होगी, जिसका उपयोग उसकी सेना भारतीय नागरिकों के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए करती है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति के उप प्रमुख और 2025 के लिए तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान का नामकरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। खड़गे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के मामले में गुण-दोष देखना चाहिए कि पाकिस्तान को उसके आतंकी वित्तपोषण की निगरानी के लिए एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, पाकिस्तान को 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमनोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के समय भारत के राजनयिक प्रयासों के बाद 2008 में पहली बार ग्रे सूची में डाला गया था और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत और फिर 2012 में शामिल किया गया था। यह तीन बार ग्रे सूची में रहा है, आखिरी बार 2018 में था।" खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान को उसके पापों के लिए जवाबदेह बनाना न केवल भारत के लिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हितों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, शायद यह याद दिलाने की जरूरत है कि 9/11 हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में पाया गया और खत्म कर दिया गया। 9/11 की योजना बनाने वाला खालिद शेख मोहम्मद भी पाकिस्तानी था।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, एक जिम्मेदार विपक्षी दल के रूप में, हम अपनी सरकार से इसके लिए उचित और दृढ़ कूटनीतिक कदम उठाने का आग्रह करते हैं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए।"

8वें वेतन आयोग से चमकेगी विंग कमांडर व्योमिका सिंह की सैलरी, जानिए कितनी है तनख्वाह

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय वायुसेना की जांबाज महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह उन चुनिंदा महिलाओं में शामिल हैं जिन्होंने ना सिर्फ फाइटर हेलिकॉप्टर्स उड़ाए हैं बल्कि जोखिम भरे मिशनों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने 18 दिसंबर 2004 को वायुसेना में बतौर फ्लाइंग पायलट कदम रखा था। तब उन्हें शॉर्ट सर्विस कमीशन (महिला) के तहत भर्ती किया गया था। आज वे 2500 घंटे से ज्यादा उड़ान भर चुकी हैं। चाहे पहाड़ हों या जंगल, व्योमिका ने हर कठिन परिस्थिति में अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाया है। 'चेतक' और 'चीता' जैसे हेलिकॉप्टरों को उड़ाते हुए उन्होंने कई बार राहत और बचाव अभियान चलाए हैं। साल 2017 में बनीं विंग कमांडर करीब 13 साल की सेवा के बाद उन्हें 2017 में विंग कमांडर के पद पर प्रमोशन मिला। यह पद न केवल वरिष्ठता का प्रतीक होता है, बल्कि इसकी जिम्मेदारियां भी बड़ी होती हैं। अब वह सिर्फ उड़ान नहीं भरतीं, बल्कि मिशनों की योजना बनाना, यूनिट का नेतृत्व करना और पूरे ऑपरेशन की कमान संभालना भी उनकी भूमिका में शामिल है। फिलहाल कितनी है सैलरी? रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विंग कमांडर की मासिक सैलरी लगभग 90,000 से 1,20,000 रुपये के बीच होती है। हालांकि यह वेतन बेसिक पे, मिलिट्री सर्विस पे, फ्लाइंग अलाउंस और अन्य भत्तों को जोड़कर बनता है। इसके अलावा, विंग कमांडर व्योमिका सिंह को कई विशेष सरकारी सुविधाएं भी दी जाती हैं:

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बोले- महाराष्ट्र में इस साल 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र' वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए फडणवीस ने कहा कि पौधारोपण को जन आंदोलन बनाया जाना चाहिए। 'पौधारोपण को जन आंदोलन का रूप देना होगा'मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा, हमने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है और हम अगले वर्ष भी इसी लक्ष्य को दोहराने का प्रयास करेंगे, क्योंकि यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि राज्य के हरित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण की दिशा में एक प्रयास है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत महाराष्ट्र ने हाल के वर्षों में लगातार अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण को जन आंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने कहा, मैंने सभी विभागों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों से इसमें भागीदारी करने की अपील की है।" उन्होंने कहा,मैंने प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (सीएएमपीए)निधि के प्रभावी उपयोग का निर्देश दिया है ताकि जमीनी स्तर पर स्पष्ट असर दिखाई दे।" फडणवीस ने कहा कि वन विभाग राजमार्गों और तीर्थयात्रा मार्गों के किनारे पौधारोपण की अगुवाई करेगा। भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। बीते 24 घंटे में देशभर में 484 नए एक्टिव केस दर्ज किए गए हैं, जिससे एक्टिव मरीजों की संख्या 4,302 से बढ़कर 4,866 पहुंच गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि संक्रमण से 3955 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज भी हुए हैं।

'नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा...', पीएम मोदी का कच्छ की बहनों को तोहफा; अपने आवास पर लगाया सिंदूर का पौधा

विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है।

नई दिल्ली (एजेंसी): पीएम मोदी ने अपने दिल्ली आवास पर आज सिंदूर का एक पौधा लगाया। इस पौधे को लेकर उन्होंने एक सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। पीएम मोदी ने कहा है,1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। इस कदम को हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के प्रति भी एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। कच्छ में महिलाओं ने भेंट किए थे पौधे हाल ही में पीएम मोदी कच्छ गए थे। कच्छ में 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और उन्हें सिंदूर के पौधे भेंट किए थे। प्रधानमंत्री मोदी इससे बेहद अभिभूत हुए और उन्होंने कहा कि वे अपने आवास पर यह सिंदूर लगाएंगे। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना है थीम एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में इससे पहले पीएम मोदी ने कहा था कि वैश्विक जलवायु की सुरक्षा के लिए हर देश को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना इस साल के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है और भारत पिछले चार-पांच सालों से इस पर लगातार काम कर रहा है। मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ, जो संसाधनों के सोच-समझकर इस्तेमाल करने के लिए कहता है, दुनिया भर में एक जन आंदोलन बन रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने अपने जीवन में कम करो, दोबारा इस्तेमाल करो और रीसाइकिल करो के मंत्र को अपनाया है।

अब शहरों में अब सिर्फ 3 दिन में मिल जाएगा प्रॉपर्टी कब्जा प्रमाणपत्र

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण अब आवेदन के तीन दिन के अंदर आवेदक को प्रॉपर्टी का कब्जा प्रमाणपत्र जारी कर देगा। जमीन के सीमांकन के लिए चार दिन और डीपीसी (ड्रेनेज पाइपलाइन कनेक्शन) प्रमाणन के लिए पांच दिन की समय सीमा निर्धारित की गई है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने कुछ और सेवाओं को सेवा का अधिकार अधिनियम-2014 में शामिल करते हुए इनकी समय-सीमा निर्धारित की है। साथ ही इन सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए कनिष्ठ अभियंता को पदनामित अधिकारी, उपमंडल अभियंता को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी तथा संपदा अधिकारी को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार जलापूर्ति लाइन की मरम्मत, जलापूर्ति के लो प्रेशर, सीवर लाइन की ब्लाकेज हटाने, सीवरेज के मेनहोल की मरम्मत, एसडब्ल्यूडी लाइन की ब्लाकेज हटाने, एसडब्ल्यूडी मेनहोल की मरम्मत तथा रोड/बर्म की सफाई के लिए पांच दिन की समय सीमा निर्धारित की गई है। पाट होल (रोड) की मरम्मत के लिए 10 दिन, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत के लिए तीन दिन तथा पार्क (बागवानी) और ग्रीन बेल्ट तथा सड़क किनारे पौधारोपण (बागवानी) के लिए सात दिन की समय सीमा निर्धारित की गई है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में रचाई शादी, बीजेडी नेता बने जीवनसाथी

नई दिल्ली (एजेंसी): ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की तेजतर्रार सांसद महुआ मोईत्रा ने 3 मई को गुपचुप तरीके से जर्मनी में शादी कर ली है। उनके जीवनसाथी बने हैं बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता पिनाकी मिश्रा। फिलहाल, अपनी शादी को लेकर न तो महुआ मोईत्रा और न ही पिनाकी मिश्रा की तरफ से कोई बयान सामने आया है और दोनों ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। दोनों नेताओं की शादी जर्मनी में हुई है। इस शादी से जुड़ी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें महुआ मोइत्रा मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि तृणमूल सांसद पारंपरिक परिधान और सोने के गहनों से सजी हुई हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर न महुआ मोइत्रा और न ही उनकी पार्टी की ओर से कोई बयान सामने आया है। बता दें, महुआ मोइत्रा की निजी जिंदगी पहले भी सुर्खियों में रही है। महुआ ने डेनमार्क के फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से शादी की थी, जिनसे बाद में उनका तलाक हो गया था। इसके बाद वे तीन सालों तक वकील जय अनंत देहाद्रई के साथ रिश्ते में रहीं। हालांकि, बाद में उन्होंने इसे 'धोखा खाया प्रेमी' कहा था। कैसा था लोकसभा का पहला कार्यकाल? महुआ का पहला कार्यकाल एक बड़े विवाद की भेंट चढ़ गया था। उन पर आरोप लगे कि उन्होंने गौतम अडानी पर सवाल एक प्रतिद्वंदी बिजनेसमैन के कहने पर उठाए थे। महुआ मोइत्रा से जुड़े 2023 के कैश-फॉर-क्वेरी विवाद के दौरान उनका रिश्ता सार्वजनिक जांच के दायरे में आया था। भारतीय जनता पार्टी ने व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के एक हलफनामे का हवाला देते हुए मोइत्रा और मिश्रा के बीच घनिष्ठ संबंध का आरोप लगाया था। पिनाकी मिश्रा की बीजेडी को धमकी हालांकि, मिश्रा ने तब इन आरोपों से इनकार किया था और उन्हें दुर्भावनापूर्ण और असत्यापित कहा था तथा मानहानि के लिए भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की धमकी भी दी थी। बैंकर भी रह चुकी हैं महुआ मोईत्रा महुआ मोइत्रा, 12 अक्टूबर 1974 को असम के लबाक में पैदा हुईं एक भारतीय राजनीतिज्ञ और पूर्व निवेश बैंकर हैं। उन्होंने 2010 में टीएमसी में शामिल होने से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया था। मोइत्रा ने 2016 से 2019 तक करीमपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्य के रूप में कार्य किया और 2019 में कृष्णानगर से लोकसभा के लिए चुनी गई। हालांकि, उन्हें अपने राजनीतिक करियर में उथल-पुथल का सामना तब करना पड़ा जब उन्हें 8 दिसंबर, 2023 को कैश-फॉर-क्वेरी मामले में आचार समिति की सिफारिश के बाद लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

'पूरी तरह से टूट गया हूं, मेरे पास कहने को शब्द नहीं, बेंगलुरु हादसे पर आई विराट कोहली की प्रतिक्रिया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल 2025 की ऐतिहासिक जीत का जश्न बुधवार को एक भयानक हादसे में बदल गया

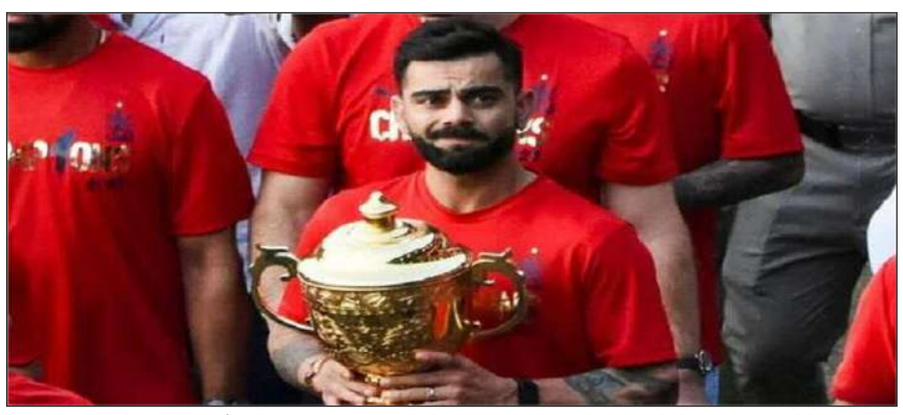

बेंगलुरुः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल 2025 की ऐतिहासिक जीत का जश्न बुधवार को एक भयानक हादसे में बदल गया, जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 45 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब लाखों प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए स्टेडियम के बाहर जमा हो गए थे। वहीं इस हादसे पर क्रिकेटर विराट कोहली की प्रतिक्रिया सामने आई है। विराट कोहली का भावुक बयानः "शब्द नहीं हैं" आरसीबी के स्टार खिलाड़ी और टीम के प्रतीक माने जाने वाले विराट कोहली ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए इंस्टाग्राम पर लिखाः "शब्द नहीं हैं... पूरी तरह टूट गया हूं।" उन्होंने टीम के आधिकारिक बयान को भी शेयर किया, जिसमें कहा गयाः "हमें बेंगलुरु में हुई इस दुखद घटना की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से मिली है। हम बेहद दुखी हैं। सभी लोगों की सुरक्षा और भलाई हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। हमने तुरंत कार्यक्रम में बदलाव किए और प्रशासन के निर्देशों का पालन किया।" सचिन तेंदुलकर और अनिल कुंबले ने भी जताया शोक भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने इस घटना को "बेहद दर्दनाक" बताते हुए लिखाः "जो कुछ भी चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुआ, वह बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्हें शांति और ताकत मिले।" वहीं पूर्व कप्तान और स्पिनर अनिल कुंबले ने कहाः "क्रिकेट के लिए एक दुखद दिन है। जो लोग जश्न के दौरान मारे गए, उनके परिवारों के लिए मेरा दिल दुखी है। घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। यह बेहद त्रासदीपूर्ण है।" क्या हुआ था हादसे के दिन? फ्लइ ने 18 साल बाद पहली बार आईपीएल खिताब जीता है और इसके बाद टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए ओपन बस परेड की योजना बनाई गई थी। जैसे ही यह खबर फैली, बेंगलुरु के अलग-अलग हिस्सों से करीब दो लाख लोग स्टेडियम के बाहर जुट गए। पुलिस की तैयारियां इस भीड़ के मुकाबले नाकाफी साबित हुईं और अव्यवस्था फैलने लगी। लोगों ने गेट तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की, जिसके चलते भगदड़ मच गई। कई लोग भीड़ में दबकर या गिरकर घायल हो गए और कई की मौके पर ही मौत हो गई। आरसीबी ने जताया शोक, कार्यक्रम किया छोटा आरसीबी ने हादसे के तुरंत बाद अपने कार्यक्रम को संशोधित कर दिया। ओपन बस परेड रद्द कर दी गई और टीम को सुरक्षा कारणों से बंद गाड़ी में स्टेडियम लाया गया। स्टेडियम में भी आयोजित कार्यक्रम को सिर्फ 10-15 मिनट में खत्म किया गया। टीम ने अपने बयान में कहाः "हम इस त्रासदी से बहुत दुखी हैं। प्रभावित परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। सभी प्रशंसकों से आग्रह है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।" सरकार की प्रतिक्रिया और मुआवजा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे की पुष्टि करते हुए कहाः "अब तक 11 लोगों की मौत और 33 लोग घायल हुए हैं। सरकार मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता राशि देगी और घायलों का मुफ्त इलाज कराएगी।" मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की और हालात का जायजा लिया। वहीं मुख्यमंत्री ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं और 15 दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी है। इस हादसे ने भीड़ नियंत्रण और सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संपादकीय

'पारी' से जीत का मंतव्य

भारत के प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के तहत पाकिस्तान पर भारत की निर्णायक जीत का जिक्र करने के लिए क्रिकेट की एक आकषर्क उपमा का इस्तेमाल किया। कहा कि भारत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को ह्यपारी से हराह्ण दिया। जनरल चौहान सावित्री बाई फुले पुणो विविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित ह्यभविष्य के युद्ध और संघषर्ह्ण पर अपना भाषण पूरा करने के उपरांत सीडीएस वहां मौजूद विद्वानों के सवालों का जवाब दे रहे थे। क्रिकेट की उपमा देने से पहले जनरल चौहान ने फुटबॉल मैच का जिक्र किया था। कहा था, ह्यमान लीजिए आप एक फुटबॉल मैच में जाते हैं, और 4-2 से जीत जाते हैं, प्रतिद्वंद्वी ने दो गोल किए और आपने चार गोल किए। तो यह बराबरी का मैच रहा। इसके तुरंत बाद उन्होंने रूपक के जरिए शत्रुता के परिणाम के बारे में स्पष्ट रूप से अंतर समझाने के लिए क्रिकेट का सहारा लिया। इस प्रकार भारत के शीर्ष कमांडर ने प्रकारांतर से भारत को हुए नुकसान की बात भी कही जब कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि नुकसान महत्त्वपूर्ण नहीं होता, परिणाम महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को भारत हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल रहा है, और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए से सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत ने स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींच दी है। दरअसल, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के नजरिए अब स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले से कुछ रोज पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने भारत को लहुलुहान करते रहने की कुत्सित मंशा जतलाई थी। उसके कुछ रोज बाद ही पहलगाम की बैसरान घाटी में सैलानियों पर हमला करके पाकिस्तान ने अपने कुत्सित मंसूबे को पूरा करने का प्रयास तो किया लेकिन भारत ने पूरी सख्ती से जवाब देते हुए उसकी जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त करके मुकम्मल जवाब दे दिया। अब सीडीएस का यह कहना कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वी को हजारों जख्म देकर लहूलुहान करने की नीति पर चल पड़ा है, तो यह पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी है कि नहीं संभला तो अपना खासा नुकसान कर बैठेगा। और किसी अन्य देश से मदद लेना भी उसके काम नहीं आने वाला। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ता ने भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा दिया है।

चिंतन-मनन

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं।

इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जश्न का मातम में बदल जाना, सवाल जिम्मेदारी का

डॉ हिदायत अहमद खान

बेंगलुरु एक ऐसा शहर जो पढ़ने-लिखने वालों के लिए केंद्र-बिंदु और देश का सबसे बड़ा आईटी इंडस्ट्री हब है। यहां भगदड़ की घटना हो जाना कोई सामान्य बात नहीं कही जा सकती है। इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच होनी ही चाहिए और तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

दरअसल जब-जब इस प्रकार के हादसे होते हैं, तब-तब इसी तरह की बातें सामने आती हैं। आगे से इस तरह का कोई और हादसा न हो इसके लिए सरकारें प्रतिबद्ध दिखती हैं। बावजूद इसके हादसा होकर रहता है और सारे इंतजाम ढाक के तीन पात साबित हो जाते हैं। जहां तक बेंगलुरु हादसे का सवाल है तो इसमें कोई शक नहीं कि देश-विदेश में क्रिकेट को लेकर एक अलग दीवानगी है, लेकिन जीत के जश्न के लिए एकत्र हुए लोग अपना भला-बुरा ही भूल गए हों, ऐसा भी नहीं हो सकता है। जरा सोच कर देखें कि जिस स्टेडियम में 45 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था हो वहां चार से पांच लाख के करीब लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो क्या होगा? यह दृष्य किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है। बताया जा रहा है कि लोगों की भीड़ किसी भी तरह से बस स्टेडियम के अंदर जाने पर आमादा थी। एक-दूसरे के ऊपर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश में लगे लोग सिर्फ और सिर्फ मौत को निमंत्रण देने का कार्य कर रहे थे। नतीजे में ऐसा कुछ घटित हुआ कि अचानक भगदड़ मच गई और हृदय विदारक मौतों का अनचाहा वीभत्स मंजर आंखों को धुंधलाता हुआ सामने आ गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ कि आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी है और यह कैसे तय किया जाए? हादसे के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत देश के अनेक नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस हादसे में जो घायल हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामनाएं की गईं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने मुआवजे और राहत राशि का भी ऐलान कर दिया। अब विचारवानों द्वारा बताया जा रहा है कि राज्य सरकार को ऐसे आयोजनों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

यहां बताते चलें कि जीत की खुशी के दिन बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका सुबह से ही उल्लास और उमंग से भरा हुआ था। आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी की ऐतिहासिक जीत के बाद हजारों प्रशंसक जश्न में डूबे हुए थे। लेकिन दोपहर होते-होते यह उत्सव मातम में बदल गया। भगदड़ में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसने सवाल खड़ा किया कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी है? यह पहली बार नहीं है कि किसी भीड़-भाड़ वाले आयोजन में अव्यवस्था ने निर्दोष लोगों की जान लेने का काम किया हो। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या घनत्व अत्याधिक है और प्रशासनिक तैयारियां अक्सर आखिरी क्षणों पर की जाती हैं, वहां ऐसे हादसे दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन चौंकाने वाले नहीं माने जाते हैं। फिर चाहे वह प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ वाली दुखद घटना रही हो, या फिर जम्मू के वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ हुई हो या अब बेंगलुरु का यह हादसा, सभी में कहीं न कहीं एक समान लापरवाही की परतें ही खुलती नजर आती हैं। बहरहाल आरसीबी की जीत के बाद जश्न के आयोजन को लेकर जो जानकारी निकलकर सामने आ रही है उसके मुताबिक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और एक इवेंट कंपनी द्वारा इस आयोजन को किया गया था। हैरानी वाला दावा यह है कि इसके लिए न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राज्य सरकार ने आयोजन की अनुमति को लेकर स्पष्टता दिखाई। इसलिए यह मामला और भी ज्याद जटिल होता जा रहा है। यहां कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब-तलब कर लिया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने तो मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत केएससीए अधिकारियों और इवेंट कंपनी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से मामला दर्ज करने की मांग कर दी है। वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार ने मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हुए हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो कुंभ मेले जैसी दुखद घटना का भी हवाला देते हुए कह दिया कि वे अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच रहे हैं, लेकिन यह भी माना जाना चाहिए कि ऐसे हादसे पहले भी हुए हैं। इस प्रकार जब भाजपा के लोग सीएम से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं तो उन्हें उन राज्यों की घटनाओं को भी नहीं भूलना चाहिए कि जहां भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में उनके साथ ही केंद्र की जिम्मेदारी भी तय करने की बात होने लगी है। इस प्रकार की राजनीति से इतर असली सवाल यही है कि जिम्मेदारी किसकी थी और क्या उसे तय किया जाएगा?

क्रिकेट के प्रति आमजन की दीवानगी के साथ ही आयोजक, सुरक्षा एजेंसियां, स्थानीय प्रशासन–सभी की मिली-जुली जिम्मेदारी, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल अब वक्त आ गया है जबकि भीड़ प्रबंधन को भीड़ नियंत्रण की नजर से नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए। आयोजनों की पूर्व योजना, भीड़ का आंकलन, वैकल्पिक मार्ग, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, इन सभी पर स्पष्ट दिशानिर्देश हों। बेंगलुरु की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि उत्सव केवल भावनाओं से नहीं, व्यवस्था और जिम्मेदारी से संचालित होने चाहिए। बात साफ है कि जब तक इस तरह की घटनाओं के लिए दोषी न्याय की परिधि में नहीं लाए जाते, तब तक जश्न से मातम की यह श्रृंखला रोक पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन जैसी बात ही है। आखिरकार देश में हर हादसे के बाद जांच होती है, रिपोर्ट आती है, मुआवजा बंटता है, लेकिन अगर कुछ नहीं होता तो वह है सुनिश्चित जवाबदेही। बेंगलुरु की इस घटना ने न सिर्फ 11 जिंदगियां लीं, बल्कि व्यवस्था और संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आगे इस तरह का हादसा फिर न हो, जवाबदेही तय होनी चाहिए, वर्ना अगली बार कौन, कब, कहां जश्न मनाते हुए मारा जाएगा, यह सिर्फ किस्मत तय करेगी।

आईपीएल : आरसीबी का विराट नाम दर्ज

मनोज चतुर्वेदी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार आईपीएल खिताब जीता जरूर पर इसे विराट कोहली के सपने के साकार होने के तौर पर ही लिया गया।

इस कारण फाइनल मैच का परिणाम आने पर अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर बने माहौल ने 2011 में वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने पर बने माहौल की यादें ताजा कर दीं। उस वक्त सारी टीम सचिन तेंदुलकर के विश्व कप जीतने के सपने के साकार होने पर उन्हें कंधे पर उठा कर घुमा रही थी। वजह यह थी कि विराट 2008 से इस टीम को खिताब जिताने के लिए प्रयास करते रहे थे पर खिताब से दूरी खत्म होकर नहीं दे रही थी। इस खिताब का विराट को किस बेसब्री से इंतजार था, इसे उनकी भावनाओं से समझा जा सकता है। जॉश हेजलवुड के आखिरी ओवर की पहली दो गेंदों पर छक्का लगते ही आरसीबी का खिताब जीतना पक्का हो गया था। खिताब तय होते ही विराट की आंखें खुशी से नम हो गई और खेल खत्म होते ही वह मैदान पर सिर झुका कर अपनी भावनाएं बयां करते रहे। जिस काम को अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी और खुद विराट कप्तान रहते नहीं कर पाए थे, उसे रजत पाटीदार ने कर दिखाया।

इस तरह अब मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, डेक्केन चार्जर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के साथ आरसीबी का भी नाम आईपीएल खिताब जीतने वाली टीमों में शामिल हो गया है। आरसीबी का यह फाइनल खेलने का चौथा मौका था जिसमें से 2009 और 2016 में तो वह बहुत ही मामूली अंतर से पिछड़ कर खिताब जीतने से रह गई थी। 2009 के फाइनल में उसे छह रनों से और 2016 में आठ रनों से हार का सामना करना पड़ा था। हां, वह 2011 के फाइनल में जरूर बुरी तरह से हार गई थी। पर इन सबकी कमी उसने पंजाब किंग्स को छह रनों से हरा कर पूरी कर दी।

आरसीबी का खिताबी सपना तो पूरा हो गया पर पंजाब किंग्स का सपना अधूरा बना हुआ है। अय्यर जिस तरह से कोच रिकी पोंटिंग के साथ मिल कर टीम को तस्वीर बदलने में सफल हुए हैं और उन्होंने दूसरे क्वालिफायर में जिस तरह से मुंबई इंडियंस की चुनौती तोड़ी, उससे वह भी खिताबी मजबूत दावेदार मानी जा रही थी पर शायद किस्मत में चैंपियन बनना लिखा नहीं था। इस आईपीएल खिताब का आरसीबी और विराट को इंतजार था, उसी तरह लग रहा था कि नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद दर्शक भी चाहते थे कि विराट की पिछले 17 सालों से चली आ रही दूरी खत्म हो। पूरा स्टेडियम आरसीबी की जर्सी पहने पटा पड़ा था। आरसीबी के पक्ष में चौका या छक्का लगने या फिर विकेट मिलने पर स्टेडियम शोर से गूंज उठता था। आरसीबी टीम ने विराट और उनके चहेते दर्शकों को निराश नहीं किया। खिताब जीतने पर भावनाओं से भरे विराट ने कहा, 'यह जीत जितनी टीम के लिए है, उतनी ही प्रशंसकों के लिए भी है। यह पूरे 18 सालों का इंतजार था। मैंने इस टीम को अपना युवा समय, अपना सर्वश्रेष्ठ दौर और अपना अनुभव सब कुछ दिया। हर सीजन इसे जीतने की कोशिश की और अपनी सारी ताकत लगा दी। अब जाकर इसे हासिल करना अविसनीय अहसास है। कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा। मैं आखिरी गेंद के बाद भावनाओं में बह गया। अपनी सारी ऊर्जा झोंक दी और अब जो महसूस हो रहा, वो बयां करना मुश्किल है। वाकई कमाल का अहसास है।'

आरसीबी के विजेता बनने पर एक और तस्वीर देखने को मिली। आरसीबी की सफलताओं में अहम भूमिका निभाने वाले एबी डिविलियर्स टीम के विजेता बनते ही मैदान में दौड़कर आए और विराट को गले लगा लिए। क्रिस गेल भी वहां पहुंच कर विराट को गले लगाकर बधाई देते नजर आए। इसमें कोई दो राय नहीं कि आरसीबी के महान खिलाड़ियों की सूची में विराट का नाम सबसे ऊपर है। पर डिविलियर्स और गेल का नाम विराट के बाद होने में शायद ही किसी को शक हो।

विराट ने कहा, ह्यइन दोनों ने फ्रेंचाइजी के लिए जो किया है, वह जबर्दस्त है। इसलिए यह जीत जितनी मेरी है, उतनी ही इन दोनों की भी है। इसलिए ट्रॉफी को हम एक साथ उठाएंगेह्ण अय्यर भले ही पंजाब किंग्स को खिताब नहीं दिला सके पर वह तीन टीमों

को फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। पिछले साल केकेआर को विजेता बना चुके हैं और इससे पहले दिल्ली केपिटल्स उनकी अगुआई में फाइनल में पहुंची थी। आरसीबी को विजेता बनने पर 20 करोड़ और पंजाब किंग्स को उपविजेता रहने पर 13.5 करोड़ का इनाम मिला। मुंबई को 7 करोड़ और गुजरात टाइटंस को 6.5 करोड़ रुपये का इनाम मिला। साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 759 रन बना कर ऑरेंज कैप और प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 विकेट लेकर ऑरेंज कैप मिली। इस सत्र के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को एक पारी में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने और सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का इनाम मिला।

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आर्तकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी। भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आर्तकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झुकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्टा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी 'नो फर्स्ट यूज' की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

द आर्यन्स के स्टाफ व अभिभावकों ने किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स जोया के परिसर में आज वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरण की रक्षा और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के उद्देश्य से स्कूल के प्रधानाचार्य आदेश सिंह के साथ पूजा, सोनू, शीबा मौरिस, शिवम, सचिन, नाहिद अदिति आदि शिक्षकों व माही, नाव्या, नवनीत, कनक, राध्या, आयांश सिद्धू, पार्थ, सार्थक आदि विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण में सक्रिय भागीदारी की। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें" (Beat Plastic Pollution) है, इस लिए संस्थान ने स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने हेतु वृक्षारोपण को प्राथमिकता दी और सभी अभिभावको व स्टाफ को प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ दिलाई। स्कूल के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने कहा कि "वृक्ष पर्यावरण के सबसे बड़े रक्षक हैं। एक पौधा केवल छाया या फल ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और सुरक्षित भविष्य भी सुनिश्चित करता है।" इस प्रकार वृक्षारोपण के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया और इस उपलक्ष्य पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह व अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी ने प्लास्टिक उपयोग में कटौती, जल संरक्षण, वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा जैव विविधता की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करने की अपील करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी को प्रेरित करने का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वेंक्टेश्वरा में वृहद वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ-पर्यावरण बचाओ जागरूकता रैली

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान, वी0जी0आई0 मेरठ एवं वन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं पर्यावरण जागरूकता रैली का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण के साथ पॉलीथीन मुक्त भारत बनाने में सभी से अपना प्रभावी योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि आज ये एक सुखद संयोग है कि आज ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस है। इस अवसर पर हम सब मिलकर शपथ लेते है कि सभी सामाजिक आयोजन जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह, नामकरण संस्कार आदि शुभावसरों पर एक दूसरे को उपहार के रूप में पौधे भेंटकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी क्लीन इंडिया-ग्रीन इंडिया के सपने को साकार करने में अपना प्रभावी योगदान देकर राष्ट्र विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ-पर्यावरण बचाओ विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता एवं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एवं तेजी से जलवायु परिवर्तन का एकमात्र कारण यह है कि आज पढे-लिखे समृद्ध लोग भी प्रकृति से दूर होते जा रहे है। हम सभी को मिलकर प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के लिए काम करना होगा तभी विनाश के बिना विकास संभव है। इसके साथ ही हमे प्लास्टिक को अपने दैनिक जीवन से बिल्कुल खत्म करना होगा, तभी यह धरा सुरक्षित रहेगी। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आई0एफ0एस0 श्री एस0पी0 सिंह ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ वेंक्टेश्वरा अपने सामाजिक सरोकारों के लिए भी पूरे देश में जाना जाता है। आज इसी पहल के साथ मेरठ एवं मुरादाबाद प्रभाग में वेंक्टेश्वरा एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इक्कीस सौ पौधों को रोपित किया जा रहा है, जोकि संस्थान की बहुत ही सराहनीय पहल है। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के अब्दुल कलाम सभागार में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं जागरूकता रैली का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, वरिष्ठ आई0एफ0एस0 श्री एस0पी0 सिंह, नरेश चौधरी, वन विभाग के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुमित राठी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डेय, डीन एकेडमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 नीतू सिंह, अनुषा कर्णवाल, डॉ0 सुमन, डॉ0 विवेक सचान, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 राम कुमार, डॉ0 अनिल जायसवाल, डॉ0 राजवर्द्धन, एस0एस0 बघेल, मारूफ चौधरी, प्रीतपाल, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने मनाया योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनोरा विधानसभा के विधायक राजीव तरारा ने कार्यकताओं के साथ मिलकर गजरौला में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर सरवत और मिठाई बाटकर खुशियां मनाई और उनके दीघार्यु की कामना की। वही विधायक ने मुख्यमंत्री के द्वारा प्रदेश के लिए किया जा रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य प्रगति पथ पर आगे बढ़ते हुए नित नए आयाम छू रहा है। विधायक राजीव तरारा ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश को अब एक नई पहचान मिली है उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया है। वही उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए मुख्यमंत्री के द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पहले उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे अब किसी की हिम्मत नहीं जो उत्तर प्रदेश में दंगा कर दे। दंगाई अब प्रदेश छोड़कर जा रहे हैं उन्होंने आगे कहा कि सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश को बनाने के लिए लगातार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। योगी आदित्यनाथ देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री में से एक हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश में आम जनता के अंदर सुरक्षा का माहौल है। अपराधी या तो अब जेल में है या फिर प्रदेश छोड़ चुके हैं इस दौरान निहार त्यागी, पवन चौधरी, सुरेंद्र ओलख, दिल चौधरी, सचिन कुमार, अमन अग्रवाल, भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे

परियोजना निदेशक ने विकासखंड जोया परिसर में किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में विकासखंड जोया कार्यालय परिसर में परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख जुल्फिकार अली और साथ ही खंड विकास अधिकारी लोकचंद ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में अभियान का उद्देश्य न केवल पेड़ लगाना ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक लोगों मैं जागरूकता लाना है। जिससे कि आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि पेड़ केवल ऑक्सीजन का स्रोत ही नहीं बल्कि यह हमारी धरती का जीवन है हर पेड़ जो हम आज लगते हैं। वह आने वाली पीढियां के लिए एक उपहार है। उन्होंने कहा है कि पर्यावरण के अलावा अमरोहा जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गई है प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए। और नदियों और तालाबों की साफ सफाई के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं बनाई गई है ताकि भूजल स्तर को सुधारा जा सके।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने कान्हा गौशाला में किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त ने कान्हा गौशाला में वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए संदेश दिया कि इस पर्यावरण अभियान का उद्देश्य न केवल पेड़ लगाना ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारी धरोहर है, और इसे बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आज हम सभी को यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने आसपास कम से कम एक पेड़ लगाएँगे और उसकी देखभाल करेंगे। प्लास्टिक का उपयोग कम करें, पानी बचाएँ, और अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखें। जैसा कि हमारे जिलाधिकारी ने कहा, "हर छोटा कदम मायने रखता है।" आइए, हम सब मिलकर अमरोहा को और अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बनाएँ।

गजरौला पहुंचे आई.ए.एस., विशेष सचिव नगर विकास विभाग उ. प्र.शासन उदय भानु त्रिपाठी, समीक्षा बैठक के बाद किया निरीक्षण

गजरौला/ अमरोहा (सब का सपना):- बृहस्पतिवार को आई. ए. एस., विशेष सचिव नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन उदय भानु त्रिपाठी एक समीक्षा बैठक के दौरान स्थलीय निरीक्षण करने के लिए गजरौला पहुंचे। जिन्होंने आगामी त्यौहार एवं दिनों के दृष्टिगत जनपद अमरोहा की स्थानीय निकायों द्वारा की जा रही कार्यवाही की स्थलीय बैठक कर गजरौला पहुंचने पर नालों का स्थलीय निरीक्षण किया,साथ ही पालिका की अध्यक्षा राजेंद्र उर्फ उमा देवी, अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, नगर स्वच्छता प्रेरक एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत के उपरांत इंदिरा चौक पर भी पौधारोपण किया गया इस मौके पर पालिका की अध्यक्षा राजेंद्र उर्फ उमा देवी,अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, नगर स्वच्छता प्रेरक एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह, वंदना अग्रवाल, ललित कुमार, अजय गोस्वामी, इरशाद खान, रविंद्र सिंह पाल, अक्षय शुक्ला, कपिल कुमार, दीपू कुमार, विभोर जिंदल ,ओम प्रकाश सिंह, जयचंद, महेश कुमार ,सुमित चौधरी, दिनेश सैनी, ऋतिक सिंघल, दुष्यंत, यशवीर एवं सभासद गान आदि लोग मौजूद रहे

पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण, समर कैंप का किया गया अवलोकन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर विकास क्षेत्र हसनपुर के विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी के पुत्र व क्षेत्रीय पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़कवंशी व खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर उदयवीर सिंह द्वारा आयोजित समर कैंप का अवलोकन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा प्रत्येक दिन प्रशिक्षक राकेश कुमार व नीतू द्वारा कराई जा रही गतिविधियां व कला नृत्य को देखकर देवेंद्र खड़कवंशी व खंड शिक्षा अधिकारी मंत्र मुक्त हो गए। वह प्रत्येक दिन की जाने वाली गतिविधियों का व प्रशिक्षक की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर बच्चों द्वारा अपने आप बनाई गई क्राफ्टिंग के द्वारा पेपर बैग देकर देवेंद्र खड़कवंशी का स्वागत किया गया। इसके बाद आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देवेंद्र खड़कवंशी के द्वारा विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करते समय देवेंद्र खड़कवंशी द्वारा बताया गया कि की पेड़ पौधों का हमारे जीवन में अपूर्ण योगदान है। जिनके बिना हमारा जीवन संभव नहीं है वृक्ष हमारे प्रकृति को सौंदर्य व हरा भरा बनाते है। उपस्थित सभी बच्चों से अनुरोध किया गया की सभी बच्चे अपने-अपने घर पर कम से कम एक-एक पेड़ लगाकर उसकी रक्षा करें ताकि हमारा जीवन और बेहतर हो सके। इसी अवसर खंड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह द्वारा वृक्षों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का मकसद है लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक और सचेत करना प्रकृति बिना मानव जीवन संभव नहीं है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि हम पेड़ पौधे जंगलों ,नदियों, झीलों, भूमि ,पहाड़ सबके महत्व को समझें । वृक्ष ही एक अच्छे भविष्य का निर्माण करते हैं ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की एक खास थीम होती है, इस वर्ष की थीम है- प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना। इस थीम के अनुसार देश में प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के पर्यावरणीय विकल्प और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर कई कार्यक्रम हो रहे हैं। जिसके माध्यम से स्कूली बच्चों ने कई प्रकार के पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए, जो बहुत सुंदर थे। इसी क्रम में बताया कि हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है- प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम छायादार एवं फलदार पेड़ अवश्य लगाएं। पेड़ों की देखभाल करें। पॉलिथीन का प्रयोग कम से कम करें अगर संभव हो तो ना करें। कपड़े का थैला अपने साथ रख कर चलने की आदत डालें। जल बचाएं। अवसर पर राकेश कुमार ,कुमारी नीतू, भोजवीर सिंह, विजयपाल सिंह मोनू,सोनू, चंकी, पिंकी, अंजली व विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर ब्रजघाट व तिगरीधाम में उमड़ी आस्था, गंगा में लगाई डुबकी, जयकारों से गूंज उठे गंगा घाट

अमरोहा: गंगा के पृथ्वी पर आगमन के दिवस (ज्येष्ठ गंगा दशहरा) पर तीर्थनगरी ब्रजघाट व तिगरीधाम में आस्था उमड़ पड़ी। यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर छोटे बच्चों का मुंडन कराया और गंगा पूजन भी किया गया। इस दौरान हर-हर गंगे के जयघोष से घाट गूंजते रहे। दस लक्षणों से युक्त गंगा दशहरे का पर्व गुरुवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन मां गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इस क्रम में तड़के चार बजे ब्रह्म मुहूर्त में ही श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर पहुंचकर स्नान प्रारंभ कर दिया था। ब्रजघाट के गंगा घाट पर लगातार गंगा भक्तों की भीड़ पहुंच रही है और मां गंगा के जयघोष के साथ आस्था की डुबकी का क्रम चल रहा है। ब्रजघाट, पुष्पावती पूठ और लठीरा के तटों पर श्रद्धालुओं की जमघट लग रहा। स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली प्रांतों समेत मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, मुरादाबाद समेत आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं की संख्या सर्वाधिक रही। स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने दीपदान भी किया। उधर, तिगरीधाम में भी लोकल के श्रद्धालु भारी संख्या में आए। उन्होंने मां गंगा के अंचल में डुबकी लगाई और फिर घाट पर विराजमान पुरोहितों को धान व कथा कराकर पुण्य लाभ कमाया। तिगरीधाम व ब्रजघाट में ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर्व पर स्नान के लिए उमड़ी भीड़ से बाजार में भी रौनक बढ़ गई। बच्चों के खिलौने, महिलाओं के सौंदर्य प्रसाधन के सामान, चाट-पकौड़ी की दुकानों समेत अन्य दुकानों पर भारी भीड़ दिखाई दी। गंगा स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन पिछले कई दिनों से सुरक्षा व्यवस्था के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलाधिकारी और शिक्षक विधायक ने किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- 5 जून 2025 को, अमरोहा जिला हरियाली की एक नई उम्मीद के साथ जागा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, हमारे जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जिले के विभिन्न हिस्सों में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य न केवल पेड़ लगाना था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है। आज गांव अकबरपुर पट्टी में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण को लेकर एक भव्य समारोह के साथ हुई। शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों और जिलाधिकारी ने खुद अपने हाथों से पहला पौधा लगाकर इस कार्यक्रम की शुरूआत की। उनके साथ जिले के अन्य गणमान्य शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों , स्कूल के बच्चे, स्थानीय निवासी, और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा, "पेड़ केवल ऑक्सीजन का स्रोत नहीं हैं, बल्कि ये हमारी धरती का जीवन हैं। हर पेड़ जो हम आज लगाते हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार है। अमरोहा में इस वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत गजरौला, हसनपुर, और अमरोहा शहर के कई स्कूलों, कॉलेजों, और सार्वजनिक स्थानों पर हजारों पौधे लगाए गए। इस अभियान में नीम, पीपल, बरगद, और आम जैसे पेड़ों को प्राथमिकता दी गई, जो न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अभियान में स्कूली बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। एक बच्चे ने कहा, "पेड़ लगाना बहुत मजेदार है, और मुझे गर्व है कि मैं अपने ग्रह के लिए कुछ कर रहा हूँ।" एक स्थानीय निवासी ने बताया, "जिलाधिकारी जी की इस पहल ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपने आसपास और पेड़ लगाएँ और उनकी देखभाल करें। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर न केवल पेड़ लगाए, बल्कि लोगों से अपील भी की कि वे अपने घरों, स्कूलों, और कार्यस्थलों के आसपास कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएँ। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि इन पौधों की देखभाल के लिए स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की टीमें जिम्मेदारी लें। इस अभियान में वन विभाग, शिक्षा विभाग, और स्थानीय पंचायतों ने मिलकर काम किया, जिससे यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता बन गया। वृक्षारोपण के अलावा, अमरोहा जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कई अन्य गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए गए, और नदियों और तालाबों की सफाई के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएँ बनाई गईं, ताकि भूजल स्तर को सुधारा जा सके। आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, और प्रदूषण जैसी समस्याएँ हमारी धरती के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी हैं। बढ़ता तापमान, अनियमित बारिश, और प्राकृतिक आपदाएँ हमें यह चेतावनी दे रही हैं कि अब समय आ गया है कि हम अपनी धरती को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएँ। वृक्षारोपण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल हवा को शुद्ध करता है, बल्कि मिट्टी को स्थिर रखने और जल चक्र को संतुलित करने में भी मदद करता है। इस अभियान के तहत अमरोहा जिले में 2500 पौधे लगाए गए। जिलाधिकारी ने घोषणा की कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे साल नियमित अंतराल पर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों, और स्थानीय समुदायों को शामिल करने की योजना बनाई गई है। पर्यावरण हमारी धरोहर है, और इसे बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आज हम सभी को यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने आसपास कम से कम एक पेड़ लगाएँगे और उसकी देखभाल करेंगे। प्लास्टिक का उपयोग कम करें, पानी बचाएँ, और अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखें। जैसा कि हमारे जिलाधिकारी ने कहा, "हर छोटा कदम मायने रखता है।

ए.एस.एम मॉडर्न एकेडमी में एनसीसी कैडिटों के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद में 33 यू.पी.बटालियन एनसीसी के कर्नल सुनील कॉल के नेतृत्व में एएसएम मॉडर्न एकेडमी में एनसीसी कैडिटों के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत सीनियर डिवीजन और जूनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेटो ने पर्यावरण संबंधित चित्रों की प्रतीक पट्टीकाओं का प्रदर्शन कर पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया और उन्होंने रैली के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम "प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण बचाओ" के नारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में सभी एनसीसी कैडिटों को एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट रविंद्र कुमार ने रिफ्रेशमेंट वितरित किया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

रात के सन्नाटे में सोते रह गए, अतिक्रमण को करा दिया जड़ से साफ, आगे भी अतिक्रमण पर होगी सफल कार्यवाही

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- उपजिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठते ही विनय मिश्रा ने फिर साबित कर दिया कि अगर इरादे नेक हों तो कोई भी दीवार बड़ी नहीं होती। रात के सन्नाटे में जब अधिकांश चंदौसी नगरवासी गहरी नींद में सोए थे तब चंदौसी में एक नई सुबह का आरम्भ हो चुका था। उपजिलाधिकारी पद की कमान संभालते ही विनय मिश्रा ने बिना एक पल गंवाए नगर को अतिक्रमण रूपी बीमारी से मुक्त कराने के लिए बुलडोजर की कमान थामी। सीओ अनुज चौधरी और नगरपालिका परिषद चंदौसी के साथ मिलकर उन्होंने एक बार फिर उस कार्य को शुरू किया, जो लंबे समय से राजनीतिक दबावों, झूठे विरोध में फंसा हुआ था। शहर की साँसे अटकी हुई थीं। मुख्य मार्ग दम तोड़ते नजर आ रहे थे। जाम, धूल, शोर और असुविधा यह सब अब आमजन की दिनचर्या बन चुका था। लेकिन आज एक बार फिर शहर ने राहत की साँस ली है। कब्रिस्तान के

समीप सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण जिनमें अवैध कब्रें और पक्के निर्माण तक खड़े कर दिए गए थे एक-एक कर ध्वस्त किया गया। यह ध्यान देने योग्य है कि यह अतिक्रमण कोई मामूली 1 या 2 मीटर का नहीं था बल्कि पूरा 10 मीटर चौड़ी सड़क पूरी तरह निगल ली गई थी और सबसे दुखद बात यह रही कि लोगों को यह स्पष्ट जानकारी होने के बावजूद कि वह जमीन सार्वजनिक मार्ग है वे वहाँ अपने प्रियजनों को दफनाते रहे। यह न सिर्फ कानून का उल्लंघन था बल्कि आने वाली पीढ़ियों के रास्ते पर बोझ डालने जैसा था। इससे भी अधिक शर्मनाक तथ्य यह है कि स्थानीय नेताओं ने वोट बैंक की राजनीति में अपने होंठ सिल लिए। कोई न बोला, न टोका, न किसी ने विरोध किया। सड़क पर मौतें होती रहीं, एम्बुलेंस फँसती रही, लेकिन राजनीति मौन रही। आज जनता को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है आखिर हम कब तक मंदिर, मस्जिद, धर्मस्थान, श्मशान, कब्रिस्तान या व्यक्तिगत स्वार्थ के अतिक्रमण के नाम पर अपने शहर की सड़कों का

गला घोंटते रहेंगे ? ये एक बड़ा सवाल है। क्या होगा जब किसी अपने की एम्बुलेंस इसी अतिक्रमण की वजह से जाम में फँस जाए और हम उसे खो दें? विनय मिश्रा को चंदौसी का नायक कहना कोई बड़ी बात नहीं होगी, उनके कार्यों की चर्चा बच्चे बच्चे की जुबान पर है साथ ही उनका सम्मान है। जब वह पूर्व में कार्यवाहक ईओ के रूप में नियुक्त हुए थे तब भी उन्होंने रेलवे फाटक 35 बी से लेकर शहर के भीतरी भागों तक अतिक्रमण हटाने का वह अभियान चलाया था जिसे जानबूझकर वर्षों से रोका जा रहा था। विशेष बात यह रही कि इस बार मिश्रा जी ने केवल प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग नहीं किया बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और सांप्रदायिक सौहार्द का परिचय देते हुए दक्षिणेश्वर काली मंदिर के अतिक्रमण को स्वयं मंदिर समिति के सहयोग से हटवाया जिससे ये संदेश गया कि अभियान केवल एक धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं बल्कि चंदौसी के जनहित में है। परंतु इस नेक कार्य के बीच सबसे बड़ा विलेन बना कब्रिस्तान कमेटी। जहाँ नगर के बहुसंख्यक समाज ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाकर सहयोग दिया। वहीं कब्रिस्तान कमेटी ने ना केवल विनय मिश्रा की भलमनसाहत का फायदा उठाया बल्कि पीठ पीछे छुरा घोंपने जैसा कृत्य किया। पहले उन्होंने विनम्रता से समय माँगा। मिश्रा जी ने नोटिस के साथ समय भी दिया। लेकिन जैसे ही मिश्रा जी महाकुंभ की ड्यूटी पर गए उन्होंने रातों-रात खंभे उखाड़ डाले और न्यायालय की शरण में पहुँच गए। जहाँ से उन्हें कोई राहत नहीं मिली। ये केवल अतिक्रमण नहीं था, यह विश्वासघात था। न्यायालय से कोई राहत न मिलने पर मिश्रा जी ने फिर एक बार बिना हिचक बुलडोजर उठाया और नगर की मुख्य सड़कों को पुनर्जीवन दिया। यह वही सड़कें हैं जिनसे छात्र, व्यापारी, आपातकालीन सेवाएं और आम जनता हर दिन जूझती थीं। आज चंदौसी नगर फिर से खुलकर साँस ले रहा है और इसके लिए विनय मिश्रा की इसकी भूरी भूरी प्रशंसा चंदौसी में ज्यादातर लोगों से सुनने को मिल रही है।

डीएम ने बेसिक शिक्षा के कार्यक्रमों की समीक्षा की

लापरवाही पर सिविल डीसी और अकाउंटेंट का वेतन रोकने के लिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमो से सम्बंधित प्रगति की समीक्षा वैठक की गई । जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बेसिक के विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिन अधिकारियों द्वारा निरीक्षण नही किया गया है। उनका स्पस्टीकरण जारी करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए है। जिलाधिकारी ने बच्चों के नामांकन की समीक्षा कर नामांकन बढ़ाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश खंड शिक्षा अधिकारी को दिया। कहा कि कस्तूरबा की आठवीं पास

बालिकाओं का शतप्रतिशत अगली कक्षा में नामांकन कराया जाए। कहा उनका कंही न कंही पंजीकरण अवश्य हो जाए खाली न बैठे इसके लिए कार्य करें। जिलाधिकारी ने एआरपी का चयन प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सत्तर प्रतिशत से कम छात्र उपस्थित वाले विद्यालयों की समीक्षा कर उपस्थित सुधार करने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कायाकल्प के सभी पैरामीटर में शतप्रतिशत कार्य कराए जाने के निर्देश दिए कहा रंगाई पुताई शौचालय वाल पेंटिंग बाउंड्रीवाल सहित कोई दिक्कत न हो। कहा विद्यालयों के पुनर्निर्माण का कार्य समय से पूर्ण हो बोला गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए । निर्माण कार्य सुंदर और आकर्षक हो मानकों का पूरा ध्यान रखा जाय इस पर ध्यान दें साथ ही कार्य मे तेजी लाकर पूर्ण कराया जाए । जिलाधिकारी ने क्रिटिकल गैप्स के अंतर्गत फर्नीचर की आपूर्ति पूर्ण होने के पश्चात भुगतान की प्रक्रिया लंबित होने साथ ही अन्य कराए जाने वाले कार्यो में टेंडर की प्रक्रिया अपूर्ण होने पर कड़ी नाराजगी जताकर सम्बन्धित को फटकार लगाई और डीसी सिविल और अकाउंटेंट का वेतन रोकने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि समर कैम्प का आयोजन ठीक ढंग से हो और अलग अलग दिनों में सभी क्रियाएं कराएं इसके लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार किया जाए सभी गेम्स बच्चों से कराएं। कहा बच्चों को सामान्य ज्ञान अनुशासन और शिष्टाचार संगीत गेम्स सुविचार और महापुरुषों के बारे में भी बताया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि 10 जून को समर कैम्प का समापन होगा इसके लिए बच्चों का कंपटीशन कराएं और जो बच्चे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं उन्हें चिन्हित कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करें । जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों शिक्षा की गुणवत्ता सुधारी जाए एआरपी फोकस करें निपुण की प्रतिशता बढ़ाने के लिए कार्य करें । इस अवसर पर परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर मे वृक्षारोपण, प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य मे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर अमरोहा मे वृक्षारोपण, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण व प्रतियोगिताओं मे डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। वश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक शाहीन द्वारा वृक्षारोपण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया तथा कार्यक्रम के नोडल रवि यादव प्रवक्ता द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी। कार्यक्रम मे संस्थान के डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया तथा पर्यावरण विषय पर

क्विज का भी आयोजन किया गया। प्राचार्य द्वारा पर्यावरण को बचाने हेतु सुझाव देते हुए पर्यावरण का महत्व बताया। कार्यक्रम मे संस्थान के प्रवक्ता रामाशंकर, जितेन्द्र कुमार, अरविन्द कुमार, सीमाक्षी, अंकुर सुधांशु, पूनम रानी तथा समस्त लिपिकीय स्टाफ उपस्थित रहा।

जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जे एस हिन्दू इण्टर कॉलेज के प्रांगण में शासन और जिला विद्यालय निरीक्षक विष्णु प्रताप सिंह के निदेशानुसार कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालय के बच्चों और स्टाफ के साथ वृक्षारोपण कर स्वस्थ देश का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने कहा कि आज विश्व भर में पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पूरे प्रदेश में भी आज के दिन एक पेड़ मां के नाम 2.0" वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधों का रोपण किया गया तथा धरती को हराभरा रखने का संदेश दिया गया। इसी अभियान के तहत आज प्रधानाचार्य के साथ साथ विद्यालय के बच्चों

और स्टाफ ने भी वृक्षारोपण किया। क्योंकि वृक्ष धरा के आभूषण हैं। लगाने के साथ साथ इनकी देखभाल और पालन पोषण भी हमारी जिम्मेदारी है। स्वस्थ जीवन के लिए पेड़ों का लगाना बहुत आवश्यक है। आज वातावरण मे ओक्सीजन की कमी का सबसे बड़ा कारण अत्यधिक मात्रा में पेड़ो का कटान है। मेरी बेटी महिमा ने भी विद्यालय के बच्चों के संग पौधा लगाया। इस अवसर पर अतुल कुमार शर्मा, कृष्ण गोपाल वर्मा, कु0 महिमा, प्रमोद कुमार, नीरज शर्मा, कुमेर सिंह, मीनाक्षी आदि स्टाफ तथा बच्चे उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरपालिका ने किया जगह जगह आयोजन

सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका परिषद चंदौसी, संभल और गन्नौर में द्वारत सरकार एवं राज्य सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जारी शासनादेश के अनुपालन में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निम्न कार्यक्रम आयोजन किया आवास विकास कालोनी स्थित अहिल्याबाई पार्क में श्रमदान, वृक्षारोपण, हरित शपथ का आयोजन किया गया एवं स्वच्छ शपथ हरित शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष पति अखिलेश कुमार खिलाड़ी, अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रियंका सिंह, आईटीसी से करन सिंह, मुकेश जाटव, अनुज अग्रवाल, आदि लोग उपस्थित रहे। दूसरी ओर नगर पालिका परिषद संभल द्वारा भारत सरकार एवं नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा जारी

शासनादेश के अनुपालन में प्लास्टिक उन्मूलन हेतु आज सूरजकुंड मंदिर परिसर एवं उसके तालाब/घाट के किनारे पड़े प्लास्टिक अपशिष्ट का एकत्रीकरण का महाअभियान चलाया गया। एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम कराया गया तथा स्वच्छ शपथ हरित शपथ दिलाई गई। नगर पंचायत गुन्नौर जनपद सम्भल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नगर में प्लास्टिक के विरूद्ध जन जागरुकता अभियान चलाया गया तथा कपड़े व जूट से निर्मित थैले का वितरण किया गया । नगर के विभिन्न स्थानों पर विशेष सफाई अभियान के अन्तर्गत नालों की सफाई की गई साथ ही नगर में जगह जगह वृक्षारोपण किया गया। ई0 ओ0 गुन्नौर अमरेश तिवारी द्वारा सभी कर्मचारियों को प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा अपने शहर को साफ सुथरा व हरा भरा बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई।

गर्लफ्रेंड के भाई की गला घोट कर हत्या, शादी में डाल रहा अड़ंगा; पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस ने नौ मई को युवक की हुई हत्या के मामले को सुलझाते हुए नीतीश नामक युवक को गिरफ्तार किया है। इस मामले में युवक की हत्या गला घोटकर की गई थी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई लोहे की तार और आरोपित के कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। यह था मामला नौ मई को शाम के समय बिंदापुर थाने में बलेश्वर दास नामक व्यक्ति ने पीसीआर कॉल कर बताया कि उनके बेटे अखिलेश की किसी ने गला घोटकर हत्या कर दी और शव को उनके किराए के मकान के बाहर, छोड़ दिया। पुलिस ने सूचना के आधार पर प्राथमिकी कर जांच शुरू कर दी। डाबड़ी की एसीपी उषा कुमारी व एसीपी रामअवतार की देखरेख तथा एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी इंस्पेक्टर सुभाष चंद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। कई स्थानीय लोगों और संदिग्धों से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक की पहचान हुई, जिसके बारे में जानकारी जुटाई गई। पता चला कि संदिग्ध का नाम नीतीश दास है। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। दोनों परिवार सहमत पर लड़की का भाई अखिलेश कर रहा था विरोध पुलिस के अनुसार पूछताछ में नीतीश ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहता था और उसका संबंध पड़ोस में रहने वाली एक लड़की से था। दोनों के परिवार शादी के लिए सहमत थे, लेकिन लड़की के चचेरे भाई अखिलेश ने इसका विरोध किया और नीतीश को लड़की से दूर रहने को कहा। एक दिन जब नीतीश घर पर अकेला था, अखिलेश वहां आया और दोनों में तीखी बहस हुई। गुस्से में आकर नीतीश ने लोहे की तार से अखिलेश का गला घोट दिया। हत्या के बाद, नीतीश ने चेहरा ढककर और काले कपड़े पहनकर देर रात अखिलेश के शव को उसके घर के पास छोड़ दिया। इसके बाद वह नवादा भाग गया।

रोटरी क्लब जिला 3100 की टीम ने किया जुबिलेंट में पौधारोपण

गजरौला (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3100 की गवर्नर दीपा खन्ना ने रोटरी क्लब भरतीयाग्राम की ऑफिशल विजिट कर क्लब द्वारा कराए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने जेबीएफ के मेडिकल सेंटर में गायनी ओपीडी, रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। बाद में दीदी की दुकान का रिबन काटा। एक दुकान का निरीक्षण कर दुकान संचालिका दीदी से बातचीत की और बाद में जुबिलेंट परिसर में पौधरोपण भी किया। बृहस्पतिवार को रोटरी क्लब 3100 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दीपा खन्ना रोटेरियन की सात सदस्य टीम के संग यहां जुबिलेंट भरतीया फाउंडेशन के मेडिकल सेंटर पर पहुंची। यहां जुबिलेंट के

यूनिट हेड विनोद झा, रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट एवं जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, जेबीएफ के मेडिकल हेड एवं क्लब के सचिव डॉक्टर सुजिंदर फोगाट ने बुके देकर उनका अभिनंदन किया। इसके उपरांत टीम ने मेडिकल सेंटर का भ्रमण कर वहां स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी हासिल की।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दीपा खन्ना एवं जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा ने गायनी ओपीडी का फीता काटकर उद्घाटन भी किया। उन्होंने डॉक्टर श्वेता गुप्ता की प्रशंसा भी की। इसके बाद परिसर में ही रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र भी दिए। इस मौके पर डॉ नितिन राय, कृष्ण मुरारी पाठक, डॉ प्रेरणा भारद्वाज, सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, सुमित गर्ग, नवनीत सिंह आदि मौजूद रहे। रोटरी की टीम गांव लमबिया पहुंची और वहां दीदी की दुकान का शुभारंभ किया। बाद में गांव मोहम्मदी में दीदी की दुकान संचालित करने वाली सुरभि से बातचीत की। वहां से लौटकर टीम ने जुबिलेंट परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी लगाए। इस मौके पर जूबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र बंसल, डॉ सैयद बिलाल अली, रोटेरियन अनिल खन्ना, रोटेरियन चक्रेश लोहिया, रोटेरियन विजय कुमार, रोटेरियन अर्पण गुप्ता, रोटेरियन अनुराग मित्तल एवं रोटेरियन सत्येंद्र त्यागी आदि भी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संबंध में किया गया बैठक का आयोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाये जाने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ अमरदीप सिंह नायक ने 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कराए जाने वाले कार्यक्रमों के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गयी है, हम योग के जरिये पूरे विश्व को स्वास्थ्य बनाने की कामना करते हैं। 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। जनपद में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों एवं प्रशिक्षित योग ट्रेनर के सहयोग से समस्त जनपद, तहसील ,ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योग संगम, योग पार्क, योग अनप्लग्ड, हरित योग, आदि पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम के अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा एनजीओ को जोड़ा जाए तथा पतंजलि, गायत्री परिवार एवं रोटरी क्लब, नीमा आदि को जोड़ा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि योग सृष्टि का है तथा सबको प्रतिभाग करना चाहिए। उन्होंने प्राणायाम के लाभों के विषय में बताया तथा इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है तथा कार्यक्षमता में भी बढोत्तरी होती है। योग प्राण शक्ति को बढाता है। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए

कहा कि परिषदीय विद्यालय में चल रहे समर कैंप में बच्चों को योग कराया जाए तथा योग पर प्रश्नोत्तरी तथा पोस्टर प्रतियोगिता भी करायी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि 15 जून को कैला देवी में योग कार्यक्रम कराया जाए तथा अमृत सरोवर, ग्राम पंचायत, सार्वजनिक स्थानो विद्यालय एवं झील के पास भी कार्यक्रम कराया जाए। 15 जून एवं 21 जून का कार्यक्रम प्रत्येक ग्राम पंचायत में कराया जाए। 20 जून को महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु योग कार्यक्रम आयोजित किया जाए। 21 जून को जनपद स्तरीय कार्यक्रम शशिमदान कॉलेज वीनस शुगर मिल मझावली में आयोजित किया जाए। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत / सामूहिक योगाभ्यास की फोटो भारत सरकार के ੮ॾ੫ पोर्टल पर अपलोड किये जा सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम के अन्तर्गत साइकिल यात्रा बहजोई में आयोजित की जाए तथा पैदल यात्रा कार्यक्रम सम्भल में आयोजित कराने के निर्देश दिए। हरित योग कार्यक्रम राजघाट पर आयोजित कराने के निर्देश दिए जबकि महिला योग चंदौसी में तथा पिंक योग, खाकी योग एवं दिव्यांग योग, स्वच्छता योग गौ योग आदि पर चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि हर कार्यक्रम को गम्भीरता से कराया जाए। सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को बुलाया जाए।

इसके उपरांत गौ आश्रय स्थलों को लेकर चर्चा की गयी तथा समस्त खंड विकास अधिकारियों से विकासखण्ड वार छोटे गौ आश्रय स्थलों के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी एवं जो शासकीय भूमि खाली पड़ी है उनमें हरी चरी की बुआई को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी विनय मिश्रा तथा डिप्टी कलक्टर शुभि गुप्ता तथा जिला विकास अधिकारी राम आशीष तथा क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ अमरदीप सिंह नायक , मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहते हैं।

बहमन पब्लिक स्कूल में यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों की दी गई जानकारी

संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 प्रदीप कुमार सिंह तथा प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान के नेतृत्व मे बहमन पब्लिक स्कूल मुरादाबाद रोड सिरसी में यातायात पुलिस द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर के शिविर में कैडेट्स को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। सड़क संकेतों के बारे में विस्तार से समझाया गया। तेज रफ्तार से वाहन चलाने के दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया एवं18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे गाड़ी ना चलाएं। स्टंट ड्राइविंग से बचें। आज के बच्चे आने वाले भारत का भविष्य है ।यह बच्चे आज समझेंगे सीखेंगे और जागरूक होंगे। तो कल हमारा भारत और भी सुरक्षित और सुनहरा होगा। यातायात के समस्त नियमों का पालन करें। सुरक्षित चले सुरक्षित रहें।

भाजपा ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का 53 वा जन्मदिन मनाया साथ ही पौधरोपण किया

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- शुक्रवार को सुभाष रोड स्थित भाजपा नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल के कार्यालय पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का 53 वा जन्मदिन मनाया गया और पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं इस अवसर पर चन्दौसी जिला एवं नगर पदाधिकारी और कार्यकताओं के द्वारा उन्हें शुभकामनाएं दी गयी और सभी ने उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की कामना की और प्रदेश में विकास कार्यों की सराहना की। पर्यावरण दिवस और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने कहा मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश को बदलने के लिए अच्छा प्रयास किए हैं जिससे राज्य के लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है ईश्वर उन्हें दीघार्यु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार जन जन तक विकास और गरीब कल्याण के लाभ पहुंचा रही है। आपके आत्मिक सहयोग से 'सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास सबका प्रयास' की संकल्पना को साकार करता नया उत्तर प्रदेश प्रगति के पद पर निरंतर अग्रसर है। कार्यक्रम के दौरान मनोज कठेरिया, डॉ टी एस पाल, तरुण नीरज अभिनव शर्मा, रोहित दिवाकर,
देवेन्द्र गुप्ता, आकाश आहूजा, धारा सिंह, मोहित दिवाकर, शिवकुमार सैनी, निशांत शर्मा, किशन प्रजापति, लव कुमार, क्रांति कुमार, अनुभव श्रीवास्तव, तुषार अग्रवाल, आलोक शाक्य, सावन शर्मा, जय शंकर दुबे, श्याम सुंदर दुबे, विकास सिंह आदि उपस्थित रहे।

श्री नारायण सेवा समिति ने मनाया पर्यावरण दिवस

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.) चंदौसी के तत्वावधान में बदायूं रोड स्थित ब्रजधाम कॉलोनी में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्साह और उमंग के साथ मंदिर प्रांगण में पौधारोपण और पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन किया गया किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए समिति के अध्यक्ष सुभाष वार्ष्णेय भोलेनाथ ने कहा कि पीपल का पेड़ रात दिन हमें आक्सीजन प्रदान करता है तथा पाचन विकार और त्वचा रोगों के निवारण में सहायक है। मुख्य वक्ता डॉ. टी. एस.पाल ने कहा कि कोरोना काल में हमने देखा कि ऑक्सीजन बहुत कम हो गई है। वृक्ष ही ऑक्सीजन के प्राकृतिक स्त्रोत हैं जो हमें जीवन देते है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विपिन गुप्ता ने कहा कि कदम्ब का वृक्ष मधुमेह - एनीमिया जैसे रोगों को दूर करता है। उपाध्यक्ष डॉ. राजकुमार गोयल ने कहा कि सहजन का पेड़

हृदय रोग का नाश करता है तथा यह वजन घटाने के साथ-साथ प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करता है। प्रबंधक हरीश कठेरिया ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष सैकड़ो पौधों का रोपण व संरक्षण किया जाता है आज के दिन से वर्षा काल तक कई बार पौधारोपण किया जाएगा। पूर्व प्रधानाचार्य हृगपाल जी ने कहा कि आज के दिन तथा वर्षा शुरू हो जाने पर हमें अधिक से अधिक पौधों का रोपण करके उनका संरक्षण करना चाहिए। संरक्षक बृज गोपाल गुप्ता ने बताया कि आज यहां पर कुल ग्यारह पौधों का रोपण किया जा रहा है जो वर्षा काल में और अधिक संख्या में किया जाएगा। डॉ. डी.के. अग्निहोत्री ने कहा कि रोपे हुए पौधों को हमें एक एक पौधा गोद ले लेना चाहिए ताकि बच्चों की तरह उनका उचित लालन पालन किया जा सके। डॉ. जय शंकर दुबे ने अपनी मर्मस्पर्शी कविता से सब का मन जीत लिया। डॉक्टर आशीष यादव ने कहा कि बरगद, पीपल, नीम और आम जैसे पौधे अधिक संख्या में रोपे जाने चाहिए ताकि ऑक्सीजन में अधिक से अधिक बढ़ोतरी हो सके । इस दौरान सभी ने पौधों को हाथ में लेकर संकल्प लिया कि हम पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपेंगे उनका संरक्षण, संवर्धन और लालन पालन करेंगे ताकि हर प्राणी को अच्छी मात्रा में प्राण वायु उपलब्ध हो सके। अध्यक्षता रमेशचंद्र शर्मा ने की तथा संचालन हरीश कठेरिया एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर के.जी.गुप्ता, चौधरी राजवीर सिंह, संजीव कठेरिया, श्वेता गुप्ता, संजय कुमार यादव, मुकेश पाठक, दुर्गेश कुमार, रमेश चंद्र शर्मा, मोहित यादव, पुजारी सचिन शर्मा तथा बृज गोपाल चंद्रा आदि पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

श्री देवी गंगा मंदिर में मनाया गंगा दशहरा का पर्व

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- शुक्रवार को श्री देवी गंगा मंदिर में गंगा दशहरा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम मंदिर के महंत पंडित मनोज शर्मा एवं पंडित प्रवेश शर्मा द्वारा वेद मंत्रों के साथ मां गंगा की मूर्ति का पंचामृत स्नान कराकर सुंदर श्रृंगार किया गया। वेद मंत्रों के साथ मां गंगा का षोडशोपचार पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित कथाव्यास पंडित भूदेव शंखधार ने श्रद्धालुओं को गंगा दशहरा पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन गंगा जी का अवतरण स्वर्ग से भगवान शिव की जटाओं में हुआ और भगवान शिव ने धीरे धीरे उनका वेग कम करते हुए पृथ्वी पर भेजा। इसलिए आज के दिन मां गंगा की पूजा के साथ साथ भगवान शिव की पूजा का भी विशेष महत्व होता है। इस दिन मां

गंगा की पूजा और दान करने से दस प्रकार के पाप जो मन वचन कर्म से होते हैं उनका मां गंगा की कृपा से हरण हो जाता है अर्थात मनुष्य को पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन फल, मिष्ठान, शरबत आदि का दान करने का विशेष महत्व है। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। पंडित मनोज शर्मा और पंडित प्रवेश शर्मा ने मां गंगा की महाआरती संपन्न की। इसके बाद श्रद्धालुओं को शरबत और फल मिष्ठान का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी देवी, कंचन, पूनम, किरन शर्मा, सरोज, श्वेता, सुषमा, राहुल चौधरी, प्रतिभा चौधरी, आयुष, शिवम, विनायक, प्रियांशु, कृष्णा, अनमोल, निर्मल, सर्वेश, पुष्पा, ब्रह्मा, अंतरा, अंशिका, सुहानी , कशिश, मुक्ता, कनक, भक्ति, उषा, रजनी, आराधना, राजरानी, रजनी चौधरी, यथार्थ चौधरी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट के दस वांछित अभियुक्त संभल पुलिस ने किए गिरफ्तार...

संभल (सब का सपना):- जनपद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के दस अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं। पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार विश्ननोई के आदेश के अनुपालन में व अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश में व क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार के कुशल नेतृत्व में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड के अभियान में 25 जनवरी को प्र०नि० रजनीश कुमार मय टीम द्वारा गैंगस्टर अधिनियम से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण 01. जुबैर, 02. मौ0 फुरकान, 03. आसिफ, 04. ग्यास उर्फ ग्यासुद्दीन, 05. शाह आलम उर्फ साहिबे आलम, 06. फैजान, 07. नईम, 08. मौ0 उरूज, 09. अरमान, 10. शाहनवाज को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ज्ञात रहे कि इन लोगो का एक संगठित गिरोह है जो आर्थिक एवं भौतिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से आस-पास के राज्यो/जनपदो से चोरी किये गये टैक्टर के इंजन/पुर्जे निकालकर जनरेटर तैयार कर आयशर/ महेन्द्रा जनरेटर के फर्जी स्टीकर लगाकर बेचकर कर पैसा कमाकर अपने व अपने परिवार के सदस्यो का भरण पोषण करते है, इनका जनता एवं समाज में इतना भय व आतंक व्याप्त है, कि जनता का कोई भी व्यक्ति इनके विरुद्ध गवाही देने व अभियोग पंजीकृत कराने का साहस नही करता है।

दिल्ली में फिर डराने लगा कोरोना, कोविड से दो और मरीजों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोविड से दो मरीजों की मौत हो गई। पहली घटना में महज पांच महीने का एक मासूम बच्चा, जो कोविड के साथ सेरेब्रल पाल्सी (सीपी), विकास में देरी (जीडीडी), दौरे (सीजर्स), निमोनिया और सेप्सिस से पीड़ित था, ने दम तोड़ दिया। बच्चा पहले से ही श्वसन विफलता से ग्रस्त था और तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। दूसरी घटना में 87 वर्षीय बुजुर्ग मरीज की मौत हुई। वह मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन), हृदय रोग, किडनी की बीमारी जैसी अनेक जटिल बीमारियों से पीड़ित थे। उन्हें गंभीर एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) और कोविड निमोनिया हो गया था, जिसके चलते उन्हें सेप्सिस और सेप्टिक शाक की स्थिति का सामना करना पड़ा। वह पहले से ही डायलिसिस पर थे। उनकी हालत बिगड़ती गई और अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्लास्टिक प्रदूषण पर कैसे लगेगी लगाम? पर्यावरण मंत्री ने खुद ही बताया

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली ही प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने का असली समाधान है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि प्लास्टिक हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा बन गया है, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती भी बन गया है। उन्होंने कहा, "प्लास्टिक हमारी मिट्टी और पानी में घुस गया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। यह हमारी भूमि, नदियों और महासागरों तक पहुंच रहा है।" मंत्री ने कहा कि भारत 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने वाले पहले देशों में से एक है और उन्होंने सभी से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के सामान का उपयोग बंद करने का आग्रह किया। यादव ने कहा कि लोगों को ऐसी तकनीकें अपनाने की जरूरत है जो उत्पादों को कम करने, उनका दोबारा उपयोग करने और पुनर्चक्रण करने पर ध्यान केंद्रित करें। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का विषय "प्लास्टिक प्रदूषण को मात देना" है। अब से दो महीने बाद, देश प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए वैश्विक संधि पर बातचीत जारी रखने के लिए फिर से मिलेंगे। इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

धान की नर्सरी में खाद और उर्वरक प्रबंधन की दी जानकारी

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान अतेन्द्र चौहान ने की।

कांधला/शामली (सब का सपना):- विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत गांव डुढार मे गुज्जर चौपाल पर किसान वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा संदीप चौधरी ने धान की नर्सरी के जानकारी देते बताया कि 300 वर्ग मीटर नर्सरी क्षेत्रफल में लगभग 250 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद, यूरिया 6 से 8 किलो , डीएपी 4 किलोग्राम, 2.5 किलो, 1 किलो म्युरेट ऑफ पोटाश और 1 किलो जिंक सल्फेट खेत की तैयारी के समय अच्छी तरह से मिलाना चाहिए। बोआई के समय खेत की सतह से पानी निकाल दें और बोआई के 3 से 4 दिनों तक केवल खेत की सतह को पानी से तर रखें। जब अंकुर 5 सेंटीमीटर के हो जाएं, तो खेत में 1 से 2 सेंटीमीटर

पानी भर दें। ज्यादा पानी होने पर पानी को खेत से निकाल देना चाहिए। धान की नर्सरी की देखरेख के बारे मे कहा कि नर्सरी में पौधे नाइट्रोजन की कमी के कारण पीले दिखाई दें तो 3 किलों यूरिया प्रति वर्ग मीटर की दर से नर्सरी में दें। रोपाई में देरी होने की संभावना हो तो नर्सरी में नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग न करें। जरूरत होने पर पौध संरक्षण दवाओं का छिड़काव करें। अगर नर्सरी में सल्फर या जिंक की कमी दिखाई दे तो सही मात्रा के अनुसार उपचार करें। नर्सरी में खरपतवार नियंत्रण के लिए 1 से 2 बार जरूरत के मुताबिक खरपतवारों को हाथ से भी उखाड़ें।

इसके बाद नाइट्रोजन का इस्तेमाल करें। धान की नर्सरी लगाने के 3 से 4 हफ्ते बाद पौध रोपाई के लिए तैयार हो जाती है। रोपाई के लिए पौध को क्यारियों से उखाड़ने से 5 से 6 दिन पहले 3 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति 300 वर्ग मीटर नर्सरी के हिसाब से देते हैं ताकि स्वस्थ पौध मिल सकें। सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) अजय तोमर ने किसानो को अटल भूजल अन्तर्गत जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों पर जानकारी दी। किसानो को लाईट ट्रेप, ल्यू ट्रेप, बीजोपचार प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए जीवामृत,घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, दशपर्णी अर्क, छाछ से तैयार फफुद नाशक ट्राईकोड्मा और विवेरिया बेसियाना के बारे मे जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) जयदेव उपाध्याय ने किसानो को कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि योजनाओ किसान कार्ड, एकीकृत धान्य विकास कार्यक्रम, उर्द, मूगं की खेती के साथ सहफसली खेती के बारे मे बताया। ग्राम प्रधान अतेन्द्र चौहान ने किसान को विकसित कृषि संकल्प अभियान के बारे मे बताया। जमीनी स्तर तक सरकार द्वारा योजनाओ के प्रचार प्रसार के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विनुज कुमार, सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा कृष्ण अवतार, अमित कुमार, प्रवीन कुमार, कृष्णा और पुस्पेन्द्र आदि मौजूद रहे

बीएसएफ के जवान को बॉर्डर से घसीटकर ले गए बांग्लादेशी बदमाश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेशी नागरिकों ने बीएसएफ के एक जवान को कथित तौर पर अगवा कर लिया गया। 71वीं बटालियन के श्रीगणेश को बांग्लादेशी सीमा पर तैनात थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुरुआत में आरोप लगाए गए थे कि जवान घुसपैठियों का पीछा करते हुए बांग्लादेश की सीमा पार चले गए थे, लेकिन बाद में हुई बीएसएफ जांच में साफ हुआ है कि वह भारतीय क्षेत्र में ही थे और उन्हें जबरन घसीटकर बांग्लादेश ले जाया गया। इसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा पार ले जाया गया। हालांकि, कुछ घंटे बाद जवान को छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना जिले के नूरपुर के सुतियार में सीमा सुरक्षा बल शिविर के नजदीक चांदनी चौक के निकट तड़के हुई। एक बीएसफ अधिकारी के हवाले से बताया जा रहा है कि जवान ने मानवीयता अपनाई और बांग्लादेशियों को बातचीत ले लिए पास आने दिया, लेकिन वे अपराधी निकले और जवान को अगवा कर लिया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, जवान कथलिया गांव के पास बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश को रोकने का प्रयास कर रहा था, तभी उसे बांग्लादेश के चपई नवाबगंज जिले के असामाजिक तत्वों ने पकड़ लिया। दक्षिण बंगाल फंटियर के एक वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारी ने बताया, जवान को बांग्लादेशी नागरिकों ने अगवा कर लिया था और बंदी बनाकर रखा था, लेकिन जब हमने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के समक्ष इस मुद्दे को उठाया तो कुछ घंटों के भीतर ही उसे रिहा कर दिया गया।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाओं को 5 महीने की जेल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में दोषी करार देते हुए 5 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही, दोनों पर ?20,000 का जुर्माना भी लगाया गया है। जानकारी अनुसार आरोपियों की पहचान चांदनी माजी (24) और तसलीमा मोदाल (41) के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें 2 जनवरी 2025 को मुंबई के घाटकोपर इलाके से गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि वे चोरी-छिपे भारत में दाखिल हुई थीं और फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए खुद को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर विस्तृत चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। सबूतों के आधार पर कोर्ट ने दोनों महिलाओं को अवैध प्रवास और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मामलों में दोषी पाया और सजा सुनाई।

पंजाब में तापमान सामान्य से नीचे, तीन दिन बाद फिर बढ़ेगा पारा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। इसका कारण बीते दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में हो रही बर्फबारी और बारिश भी है। मौसम विभाग की ओर से आज किसी भी तरह का कोई अलर्ट जारी नहीं है। इसके बाद भी आज तापमान में अधिक बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। आने वाले तीन दिनों में तापमान एक बार फिर 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ के अनुसार राज्यभर में अधिकतम तापमान में औसतन 1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जबकि सामान्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान रहा। राज्य का सर्वाधिक तापमान जो बीते दिनों 42 डिग्री से अधिक बना हुआ था, अब 40 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच चुका है। सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस संगरूर में दर्ज किया गया। पंजाब में बीते दिनों जहां बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल रही थीं, वहीं आज से लेकर 8 जून तक कोई भी अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि आज हिमाचल प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते पंजाब के तापमान में आज अधिकतर बदलाव नहीं होगा। लेकिन आज के बाद तापमान बढ़ने लगेगा और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है।

भाजपा की पूर्व महिला नेत्री ने अपनी बेटी का खुद कराया गैंगरेप

-13 साल की मासूम को अपने प्रेमी और उसके दोस्त के सामने परोसा

देहरादून (एजेंसी)। भाजपा की पूर्व महिला नेत्री पर नारी उत्थान और सशक्तीकरण की जिम्मेदारी थी लेकिन उसी भाजपा नेत्री ने अपनी मासूम बेटी को अपने प्रेमी और उसके दोस्त के सामने परोसा दिया। ममता को शर्मसार करने वाली घटना ने सभी को झकझोर दिया है। भाजपा की पूर्व नेत्री एक साल पहले तक महिला मोर्चा की जिम्मेदार पदाधिकारी थी और नारी सशक्तीकरण की आवाज बुलंद कर रही थी, लेकिन अब हर कोई महिला नेत्री के अतीत की चर्चा करने में जुटा है। पुलिस के अनुसार महिला नेत्री ने अपनी ही मौजूदगी में 13 साल की किशोरी से गैंगरेप कराया, जो सबसे ज्यादा हैरान करने वाला है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित किशोरी ने बताया कि इसी साल जनवरी में पहली बार उसके साथ कार में गैंगरेप हुआ। तब भाजपा नेत्री भी कार में मौजूद थी। किशोरी ने बताया कि तब मां ने वोदका पिलाई थी और उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म हुआ था। दुष्कर्म के आरोपियों को मां ने एक चौक से अपनी कार में बैठाया था। रात को अंधेरे में कार जंगल के इलाके में खड़ी की थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि कुछ समय पहले भाजपा की पूर्व नेत्री अपनी बेटी को आगरा ले गई, यहां भी उसके मित्र ने दुष्कर्म किया। दोनों ने अलग-अलग कमरा लिया था। पुलिस ने किशोरी के बयान दर्ज कर आगे की जांच जारी है। इसके बाद वृन्दावन में किशोरी को शराब पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। फिलहाल एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी महिला के महिला मोर्चा को पदाधिकारी बनने पर तीखा विरोध हुआ था। कई वरिष्ठ भाजपा नेत्रियों ने इसका खुला विरोध कर कार्यक्रमों में आना भी बंद कर दिया था। भाजपा महिला मोर्चा दो धडों में बंट गया था और कई बार सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर आरोप भी लगाती रही। लेकिन कई सीनियर नेताओं से करीबी के चलते महिला मोर्चा के पद पर बनी रही।

चीनी रडार डिफेंस सिस्टम का उपयोग कर रहा था पाक, हम सबको बायपास किया: थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत पाकिस्तान चौतरफा घेर रहा है। इसके साथ ही चीन को भी संदेश दे रहा है, और बता रहा है कि भारत कभी हमला नहीं करता है लेकिन हमलावर को छोड़ता भी नहीं है। अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के मुखिया और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान के साथ चीनी मुद्दे पर भी बात की। तथ्य यह है कि वो (पाकिस्तान) चीनी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे और हम चीनी रडार डिफेंस और मशहूर चीनी नेटवर्क सिस्टम को बायपास कर रहे थे...।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, थरूर ने कहा, तथ्य यह है कि वो (पाकिस्तान) चीनी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे और हम चीनी रडार डिफेंस और मशहूर चीनी नेटवर्क सिस्टम को बायपास कर रहे थे...। और यह सब चीनी किल चेन का एक बड़ा प्रकार है, जिसके बारे में हम अखबारों में पढ़ते हैं। जब भारत ने इन खतरों को दरकिनार कर हवाई क्षेत्रों पर हमला करने

का फैसला किया, जो मुझे नहीं लगता कि वह इस बात की चिंता कर रहे थे कि किसे संदेश मिलेगा। अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के मुखिया और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान के साथ चीनी मुद्दे पर भी बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या ऑपरेशन सिंदूर में चीन के लिए भी संदेश था, तो उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता था कि पाकिस्तान को संदेश मिल जाए।

उन्होंने आगे कहा, वो यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि पाकिस्तानियों को संदेश मिले और उन्हें वो मिले, जो हम भेज रहे हैं। उन्हें मिला भी...। मुझे लगता है कि 9 और 10 मई की रात जो भी हुआ, वो अपने आप में बहुत कुछ कहता है। पाकिस्तान की तरफ से अगली सुबह दी गई संघर्ष खत्म करने की तत्काल प्रतिक्रिया भी बहुत कुछ कहती है। और शायद यही संदेश है, जिसपर चीनियों को गौर करना होगा। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कलिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं।

तेजस्वी को अकेला छोड़ बिहार में दौड़ रहे राहुल गांधी, ओबीसी, ईबीसी पर सेंधमारी!

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बिहार में लगातार सक्रियता सियासी हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। राहुल गांधी 6 जून को एक बार फिर बिहार के नालंदा में होंगे, जहां वे अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-ईबीसी) सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पिछले पांच महीनों में यह उनका छठा बिहार दौरा होगा, जो कांग्रेस की आक्रामक रणनीति की प्लानिंग को दर्शाता है। लेकिन इस बार सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी की यह 'अकेली उड़ान' महागठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव से दूरी की वजह से है, या यह कांग्रेस की स्वतंत्र पहचान बनाने की रणनीति का हिस्सा है? कांग्रेस की यह रणनीति बिहार में अपनी खोई हुई जमीन को वापस पाने की कोशिश का हिस्सा है। 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के तहत कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 19 सीटें जीत सकी थी, जिसके लिए आरजेडी ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के बीच दूरी की चर्चाएं सियासी गलियारों में जोर पकड़ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव इस बार कांग्रेस को 30-40 सीटों से ज्यादा देने के मूड में नहीं हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस अपनी रणनीति को तेजस्वी के नेतृत्व पर निर्भर नहीं रखना चाहती। हाल ही में तेजस्वी की 'माई-बहिन मान योजना' को कांग्रेस ने अपने बैनर तले लॉन्च कर विवाद खड़ा किया था, जिससे महागठबंधन में तनाव की स्थिति उजागर हुई थी।

समलैंगिक जोड़े को लेकर मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी, भले ही कानूनी मान्यता नहीं मिली... लेकिन जोड़े परिवार बना सकते

चेन्नई (एजेंसी)। समलैंगिक जोड़ों को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। मामले की सुनवाई कर कोर्ट ने कहा कि भले ही समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता नहीं मिली है लेकिन इसके बाद भी इसतरह के जोड़े परिवार बना सकते हैं। परिवार बनाने के लिए शादी करना ही एकमात्र तरीका नहीं है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में यह मानने से इंकार किया था कि समलैंगिक जोडों को विवाह करने का मौलिक अधिकार है।

हाईकोर्ट की यह टिप्पणी एक समलैंगिक जोड़े के बचाव में की। 25 वर्षीय लेस्बियन महिला को उसके परिवार वालों ने बंद करके रखा था। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायणन की पीठ ने कहा कि चुने हुए परिवार की अवधारणा अब अच्छी तरह से स्थापित हो चुकी है और इस स्वीकार भी किया गया है।

इस मामले में पीड़िता की मां ने कहा कि उसकी बेटी ड्रग लेती थी। याचिकाकर्ता ने बेटी को गुमराह किया था। इस पर न्यायालय ने पीड़िता से बात कर उसकी मां के दावे को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा, पीड़िता के ऊपर किसी भी तरह की लत का आरोप लगाना गलत होगा। लड़की ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी साथी के साथ जाना चाहती है।

न्यायालय ने जस्टिस लीला सेठ का जिक्र कर कहा कि हर कोई जस्टिस लीला नहीं हो सकता, जो अपनी संतान की यौन रुझान को समझ कर स्वीकार कर सकें। पीड़िता की मां लीला सेठ जैसी नहीं है। वह चाहती हैं कि उनकी बेटी एक सामान्य जिंदगी जिए, एक सीधी-सादी महिला की तरह शादी करें। हमने उन्हें समझाने की कोशिश की है कि लड़की बालिग है और उसे अपनी जिंदगी जीने का हक है, लेकिन हमारी कोशिश बेकार रही है। आपको बता दें कि जस्टिस लीला सेठ ने अपने बेटे के यौन रुझान को स्वीकार करते हुए स्वीकार किया था।

बेंगलुरु शहर के उपायुक्त करेंगे जश्न के दौरान हुई भगदड़ की जांच

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां बुधवार को हुई भगदड़ की जांच के लिए बेंगलुरु शहरी डीसी को राज्य सरकार ने नियुक्त किया है। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने मृतक पीड़ितों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। बता दें कि आईपीएल में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान हजारों क्रिकेट प्रशंसक विधानसभा के सामने और चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास एकत्र हुए थे। इस दौरान भगदड़ मच गई थी। इस मामले की जांच के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने एक आदेश जारी कर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जी. जगदीश को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना की जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

जहां इस घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, वहीं इस दौरान 40 से अधिक घायल हो गए। यह जांच आदेश आंतरिक विभाग (कानून एवं व्यवस्था) के उप सचिव की ओर से बुधवार शाम को जारी किया गया। आदेश के मुताबिक, जांचकर्ता को 15 दिनों के भीतर मजिस्ट्रेट जांच पूरी करनी होगी और राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। आदेश में स्पष्ट किया गया

है कि यह नियुक्ति चिन्नास्वामी स्टेडियम के प्रवेश द्वार के पास हुई भगदड़ और उसके बाद हुई मौतों के कारणों की जांच के लिए की गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि घटनाओं के क्रम, चूक और लापरवाही के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की व्यापक जांच की जानी चाहिए। यह निर्णय पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक की रिपोर्ट के बाद लिया गया है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि 4 जून को विधानसभा और चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने समारोह के दौरान, हजारों क्रिकेट प्रशंसक अचानक एकत्र हो गए। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि कार्यक्रम के लिए कम समय की सूचना के कारण सभी संभावित सुरक्षा उपाय किए जाने के बावजूद, दोपहर 3.30 से 4.30 बजे के बीच, स्टेडियम के अंदर लोगों की भीड़ के कारण एक बैरिकेड टूट गया, जिससे लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। राज्य पुलिस प्रमुख की रिपोर्ट के अनुसार, इसके कारण भगदड़ मच गई, जिसके परिणामस्वरूप 11 लोगों की मौत हो गई और 47 लोग घायल हो गए। आदेश के मुताबिक, राज्य सरकार ने कर्नाटक के डीजीपी और आईजीपी एमए सलीम की रिपोर्ट का सत्यापन कर लिया है तथा घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देने की घोषणा की। कर्नाटक सरकार ने इससे पहले सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए विधानसभा से चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम तक विजय परेड रद्द कर दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री के हवाले से लिखा, बेंगलुरु में हुआ हादसा बेहद दुखद है।

दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने वाले विपक्षी सांसद बधाई के पात्र: अनुराग ठाकुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत में पाकिस्तान के प्रवक्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता और सांसद अनुराग ठाकुर ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की एकजुट लड़ाई और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के वैश्विक दौरे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के सांसदों ने एकजुट होकर दुनिया के सामने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की खासियत यह थी कि इसमें ज्यादातर विपक्षी दलों के सांसदों ने नेतृत्व किया। हर समूह में करीब आधे सदस्य विपक्षी सांसद थे। कतर, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र और इथियोपिया जैसे देशों में गए इन सांसदों ने पूर्व प्रधानमंत्रियों, विदेश मंत्रियों, सांसदों, बुद्धिजीवियों, थिंक टैंक्स, मीडिया, छात्रों और आम लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अपनी परमाणु शक्ति के पीछे छिपकर

आतंकवादियों को समर्थन, प्रशिक्षण और संसाधन देता है, जिससे न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को खतरा है। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। इस दौरान अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि कुछ लोग भारत में रहकर भी पाकिस्तान के एजेंडे को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा, जब एयर और सर्जिकल स्ट्राइक हुई, तब भी कुछ लोगों ने भारतीय सेना पर सवाल उठाए। डोकलाम मामले में भी कुछ लोग पड़ोसी देश के अधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक करते रहे। हालांकि, उन्होंने विपक्षी सांसदों की भी तारीफ की और कहा कि इस दौरे में सभी दलों ने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई। विपक्षी सांसद और दल इसके हकदार हैं। संसद सत्रों के बारे में ठाकुर ने कहा कि पिछले 11 सालों में एनडीए सरकार ने हमेशा हर मुद्दे पर चर्चा की पेशकश की है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे अक्सर सत्रों में समय बर्बाद करते हैं, वॉकआउट करते हैं और चर्चा से भागते हैं। उन्होंने कहा, जब तर्क खत्म हो जाते हैं, तब इस तरह के कुतर्क सामने आते हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले विशेष सत्र में विपक्ष को पूरी तैयारी के साथ अपनी बात रखने का मौका मिलेगा।

महाराष्ट्र में सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, इस पर आदेश जारी करे सरकार : राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। एमएनएस नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से अपील कर कहा, वहां लिखित आदेश जारी करे कि पहली कक्षा से बच्चों को सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने पहले तीन भाषाएं पढ़ाने का फैसला लिया था और अब हिंदी की किताबें छप भी गई हैं। अगर फडणवीस सरकार अब फिर से हिंदी को जरूरी करती है, तब हमारी पार्टी आंदोलन करेगी। महाराष्ट्र में 16 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने का फैसला लिया गया था, इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

हालांकि, राज्य में कई संगठन और राजनीतिक दलों ने हिंदी को अनिवार्य करने का विरोध किया। इसकारण राज्य सरकार ने 22 अप्रैल को हिंदी अनिवार्य करने का अपना निर्णय वापस लिया था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि छात्र तीसरी भाषा अपने मन से चुन सकते है। हिंदी अनिवार्य नहीं होगी।

राज ठाकरे ने पूछा कि जब महाराष्ट्र सरकार ने कहा था कि हिंदी जरूरी नहीं होगी, तब अब तक उसका ऑर्डर क्यों नहीं निकाला गया? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द फैसला नहीं लिया, तब जनता के साथ मिलकर विरोध किया जाएगा।

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखकर महाराष्ट्र में इन कक्षाओं के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। वहीं, महाराष्ट्र में एनईपी का रिकमेंड किया गया 5+3+3+4 मॉडल फेज-वाइज पहले की गई घोषणा के मुताबिक ही लागू किया जाएगा। इस नए स्ट्रक्चर के पहले फेज को नए एकेडमिक ईयर यानी 2025-26 से पहली क्लास के लिए लागू किया जाएगा। तीसरी भाषा की पॉलिसी भी तीन चरणों में लागू की जाएगी। इस एकेडमिक ईयर से राज्य के पहली क्लास के स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ने वाले है। करिकुलम के नए फ्रेमवर्क के अनुसार, महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की टेक्स्ट बुक्स एनसीईआरटी के करिकुलम पर आधारित होंगी। हालांकि, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस की बुक्स में महाराष्ट्र का लोकल कॉन्टैक्स्ट जोड़ा जाएगा।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले उपेंद्र-चिराग दिखा रहे एनडीए को आंख

-नीतीश कुमार लव-कुश समीकरण के सहारे ही सत्ता पर काबिज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है वैसे वैसे सियासत का पारा चढ़ रहा है। एनडीए में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान 50 सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं। उधर गठबंधन में तवज्जो नहीं मिलने से उपेंद्र कुशवाह भी नाराज नजर आ रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इशारों-इशारों में कहा कि कुछ लोग उपेंद्र को कद्दू की बत्ती समझते हैं कि उंगली दिखाएंगे और गल जाएगा। उपेंद्र कुशवाहा किसी के उंगली दिखाने से गलने वाला नहीं है, क्योंकि आपकी ताकत साथ

है। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभव से सबक लेकर आगे के लिए रास्ता दुरुस्त रखना है। कुछ लोगों में गलतफहमी थी। हम लोग जब एक ही नाव पर सवार हैं तो अकेले उपेंद्र कुशवाहा कैसे डूबेगा? उपेंद्र डूबेगा तो आप भी डूबेंगे।

बता दें साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी और बसपा प्रमुख मायावती ने ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर फ्रंट बनाया था। यह गठबंधन कुछ खास नहीं कर सका था, लेकिन उपेंद्र कुशावाहा ने एनडीए का खेल जरूर बिगाड़ दिया था। उपेंद्र की पार्टी आरएलपी ने दिनारा और केसरिया सहित कई सीटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। आरएलपी कुल 104 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और पार्टी को 2 फीसदी वोट मिले थे।

बता दें साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में नीतीश कुमार केंद्र में रेल मंत्री थे। उस समय उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा को बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाकर सूबे में लव-कुश यानी कुर्मी-कोइरी समीकरण को साधा था। इसके बाद 2005 के विधानसभा चुनाव में यह प्रयोग सफल साबित हुआ। राजद के 15 साल के राज का अंत नीतीश कुमार ने किया। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लव-कुश समीकरण के सहारे सत्ता के सिंहासन पर काबिज हैं। इस समीकरण के कारण लव (कुर्मी) को जबरदस्त फायदा मिला, लेकिन कुश (कुशवाहा) धीरे-धीरे उनसे नाराज होते चले गए। यही वजह रही कि उपेंद्र ने 2011 में राज्यसभा और जदयू से इस्तीफा देकर राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का गठन कर लिया। वह 2014 में जीतकर केंद्र में मंत्री बने, लेकिन 2019 के चुनाव से पहले एनडीए से अलग होकर महागठबंधन का हिस्सा बन गए थे। 2024 के आम चुनाव से पहले एक बार फिर उन्होंने एनडीए का दामन थाम लिया। अब वह फिर बीजेपी और जदयू को आंख दिखा रहे हैं।

हाल में हुए जातीय सर्वे के मुताबिक बिहार में कुशवाहा जाति की आबादी 4.27 फीसदी है। बीजेपी ने सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम बनाकर कुशवाहा समुदाय को संकेत दिया है। दूसरी तरफ राजद की नजर भी कुशवाहा समुदाय पर है। राजद ने औरंगाबाद से सांसद अभय कुशवाहा को लोकसभा में राजद संसदीय दल का नेता बनाया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अभय ने बीजेपी उम्मीदवार को हराया था। नीतीश की पार्टी जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा हैं।

एक सर्वे के मुताबिक कोइरी-कुर्मी समुदाय ने 2024 में एनडीए गठबंधन को 67 फीसदी वोट दिया था, जो साल 2019 के आम चुनाव से 12 फीसदी कम है। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को लव-कुश समुदाय ने 19 फीसदी वोट किया, जो पिछले आम चुनाव से 9 फीसदी ज्यादा है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में कोइरी समुदाय ने एनडीए को 51 फीसदी वोट दिया जबकि सिर्फ 16 फीसदी ने महागठबंधन को वोट दिया था।

मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक... अक्षर पटेल ने लिया संन्यास?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के समापन के ठीक बाद एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। जिसमें बताया जा रहा है कि, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने संन्यास ले लिया। अक्षर पटेल का कहना है कि उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कहने का निर्णय ले लिया है। वायरल वीडियो में अक्षर कहते दिख रहे हैं कि उनका और क्रिकेट का सफर सिर्फ यहीं तक था।

बता दें कि, इस वीडियो में अक्षर पटेल ने रिटायरमेंट स्पीच देते हुए कहा कि, बहुत अहम अनाउंसमेंट, मेरे लिए ये घोषणा करना आसान नहीं है। क्रिकेट ने मुझे सब दिया है मेरी पहचान और आपका प्यार लेकिन हर एक सफर का एक अंत होता है। शायद मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक का था।

जानें क्या है सच?

बता दें कि, अक्षर पटेल भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर खिलाड़ियों में से एक हैं। इंस्टाग्राम पर द्वह्लठ्ठद्बश्चद्यद्ग2025 नाम से एक यूजर ने वीडियो शेयर किया है। जिसमें अक्षर पटेल का वीडियो दिखा रहा है। इस वीडियो में अक्षर पटेल अपने रिटायरमेंट का ऐलान करते हुए दिख रहे हैं।

हालांकि, इस वीडियो को फेक बताया जा रहा है। साथ ही कहा जा रहा है कि ये वीडियो द्व जनरेटेड है। वहीं अक्षर पटेल के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से इस तरह का कोई भी वीडियो या बात नहीं कही गई है।

डब्ल्यू.पी.एल और प्रदेश लीग ने दिखा दिया कि महिला क्रिकेट से राजस्व मिल सकता है : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि WPL और विभिन्न प्रादेशिक लीग ने साबित कर दिया है कि देश में महिला क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है और आर्थिक रूप से मजबूत भी। मंधाना पहली महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की कप्तान होंगी।

उन्होंने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'महिला क्रिकेट को इस तरह का मंच मिलना अद्भुत है। प्रदेश संघों और WPL ने भी इसमें काफी मदद की है। इससे साबित होता है कि महिला क्रिकेट राजस्व बना सकता है जो बहुत अच्छी बात है।' उन्होंने कहा, 'लोग अब महिला क्रिकेट में पैसे लगाने को तैयार हैं।'

मंधाना ने कहा, 'खेल जितना पेशेवर होगा, उतना ही बेहतर होगा खासकर जमीनी स्तर के क्रिकेटरों के लिए। भारत में इस समय महिला क्रिकेट में निवेश आ रहा है जिससे खिलाड़ी को निखरने में मदद मिल रही है। हमारे करियर में हमें काफी देर से फिटनेस और इन चीजों के महत्व के बारे में पता चला था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे यकीन है कि क्लब और बाकी पहल से इन खिलाड़ियों को इसकी बेहतर जानकारी होगी और वे अच्छी तैयारी से आएंगे।'

बाहर से शांत पाटीदार के भीतर सफलता के लिए ज्वालामुखी जैसी आग है - कोच अमय खुरासिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार खिताब दिलाने वाले कप्तान रजत पाटीदार की तारीफ करते हुए जूनियर दिनों के उनके कोच अमय खुरासिया ने कहा कि संकल्प को पूरा करने की उनकी मजबूत इच्छाशक्ति उन्हें खास बनाती है। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी खुरासिया लंबे समय तक इंदौर में मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एपीसीए) के अकादमी के मुख्य कोच रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में पाटीदार ने अपनी बल्लेबाजी और नेतृत्व कौशल में काफी सुधार किया है।

खुरासिया ने पाटीदार को मजबूत इच्छाशक्ति वाली खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि वह बाहर से बेहद सौम्य और शांत दिखते है लेकिन उनके अंदर सफलता के लिए ज्वालामुखी जैसे आग है। बायें हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'धैर्य और सही समय पर सही फैसला लेना सफल व्यक्ति के दो बड़े गुण होते है और पाटीदार इन दोनों कसौटी पर पूरी तरह से खरे उतरते हैं।'

पाटीदार ने अपनी कप्तानी कौशल से प्रभावित करने के साथ इस सत्र में 15 मैचों में दो अर्धशतक की मदद से 312 रन बनाये। उन्होंने आईपीएल में 42 मैचों में एक शतक और नौ अर्धशतक की मदद से 1111 रन बनाए हैं। पाटीदार इस फ्रेंचाइजी से चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर जुड़े थे लेकिन 2022 सत्र में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर उन्होंने टीम में जगह पक्की की। आरसीबी ने जब उन्हें इस सत्र से पहले कप्तान बनाने का फैसला किया तो कइयों को हैरानी हुई थी लेकिन यह 'मास्टरस्ट्रोक' साबित हुआ। पाटीदार ने 13 मैचों की टीम की अगुवाई की जिसमें से 10 में जीत दर्ज की। टीम ने इस दौरान खिताब उठाने के साथ पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घर में मात दी। आरसीबी ने जब पाटीदार को कप्तान बनाया तभी खुरासिया को लगा गया था कि यह टीम इस सत्र में कुछ खास करेगी।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान, ओवरटन की वापसी, एटकिंसन बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को वापस बुलाया गया है। उनके अलावा जैकब बेथेल, क्रिस वोक्स और ब्रायडन कार्स सभी पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में आयोजित जिम्बाब्वे टेस्ट से चूकने के बाद टीम में वापस आ गए हैं।

जून 2022 में हेडिंग्ले में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण करने के बाद पहली बार ओवरटन ने टेस्ट सेट-अप में आश्चर्यजनक वापसी की और 97 रन की मैच विजयी पारी खेली। 31 वर्षीय ओवरटन को 29 मई को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के दौरान दाहिने हाथ की छोटी उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। लेकिन इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा कि इंग्लैंड की मेडिकल टीम द्वारा ओवरटन का रोजाना आकलन और समीक्षा की जा रही है। ऑलराउंडर का चयन तेज गेंदबाज गस एटकिंसन के चयन के लिए अनुपलब्ध होने के कारण भी संभव हुआ, जो जिम्बाब्वे के खिलाफ हालिया टेस्ट के दौरान लगी दाहिनी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

मार्क वुड और ओली स्टोन घुटने की चोटों के कारण श्रृंखला से बाहर हैं और जोफ्रा आर्चर अंगूठे की समस्या से जूझ रहे हैं, एटकिंसन की चोट का मतलब है कि इंग्लैंड भारत के खिलाफ श्रृंखला के अपने पहले मैच में कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगा। बेथेल के वापस आने का मतलब है कि इंग्लैंड को यह तय करने की जरूरत है कि वे जैक क्रॉली और ओली पोप को बरकरार रखते हैं या नहीं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाए थे।

सैम कुक को जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद बरकरार रखा गया है, हालांकि क्रिस वोक्स और जोश टंग के पहली पसंद के तेज गेंदबाज होने की अधिक संभावना है। वोक्स और टंग दोनों पहले टेस्ट की तैयारी के लिए इस सप्ताह नॉर्थम्प्टन में भारत ए के खिलाफ दूसरे रेड-बॉल गेम में इंग्लैंड लायंस के लिए भी खेलेंगे। हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेले जाने के बाद भारत और इंग्लैंड एजबेस्टन, लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में टेस्ट खेलेंगे, जिसके बाद ओवल में श्रृंखला समाप्त होगी।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग और क्रिस वोक्स।

क्रुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली खिताबी जीत में स्पिनर क्रुणाल पांड्या की अहम भूमिका रही। क्रुणाल ने 4 ओवरों में ही 17 रन देकर दो अहम विकेट लेकर मैच पलट दिया था। क्रुणाल पांड्या ने प्रभसिमरन सिंह 26 और जोश इंगलिस 39 को आउट किया जो आरसीबी के लिए खतरनाक साबित हो सकते थे। आरसीबी की जीत के साथ ही क्रुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। क्रुणाल के अलावा रवींद्र जडेजा और लसिथ मलिंगा भी चार-चार बार आईपीएल खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। वहीं आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार आईपीएल खिताब जीतने के मामले में रोहित शर्मा और अंबाती रायडू शीर्ष पर हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने छह-छह बार ट्रॉफी जीती हैं। वहीं इस सूची में दूसरे स्थान पर महेंद्र सिंह धोनी, कीरोन पोलार्ड और हार्दिक पांड्या जिन्होंने पांच-पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। आरसीबी ने पंजाब के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 190 रन बनाये। उसकी ओर से विराट कोहली ने सबसे अधिक 43 रन बनाये। वहीं पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह और काइल जैमीसन ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अजमतुल्लाह जजई, विजयकुमार वैशाख और युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 184 रन ही बना पायी। आरसीबी के लिए शशांक सिंह ने 30 गेंदों में छह छक्कों और तीन चौकों के साथ नाबाद 61 रन बनाये पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

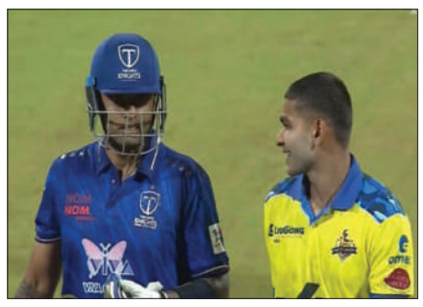

टी20 मुंबई लीग में सूर्यकुमार की आक्रामक बल्लेबाजी, 27 गेंदों में अर्धशतक लगाया

मुम्बई । आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने यहां खेली जा रही टी20 मुंबई लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट में ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई टीम की कप्तानी करऐ हुए ईगल थाणे स्ट्राइकर्स के खिलाफ आक्रामक पारी खेली। सूर्या ने केवल 27 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ट्रायम्फ्स के लिए राहत कि बात ये रही की सूर्यकुमार का आईपीएल से शुरु हुआ फार्म बना हुआ है। ऐसे में विरोधी टीम के गेंदबाजों को उनके आउट होने पर राहत मिली। सूर्यकुमार ने ट्रायम्फ्स नाइट्स की ओर से 27 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्के की सहायता से 50 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 185.19 का था। इससे उनकी टीम ने 179 रन ही बना सकी और 180 रनों का जीत का लक्ष्य ईगल थाणे स्ट्राइकर्स को दिया। स्ट्राइकर्स ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आईपीएल 2025 की बात करें तो सूर्यकुमार ने 16 मैचों की 16 पारियों में कुल 717 रन बनाए थे। उनका औसत इस सत्र में 65.18 का रहा। वहीं, स्ट्राइक रेट 167.92 का था। सूर्या ने इस सत्र में सबसे अधिक 69 चौके और 38 छक्के लगाये हैं।

विराट से बल्ला पाकर खुश नजर आये रजत

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल में पहली बार खिताब जीतने से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बेहद खुश नजर आये। विराट की खुशी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी टीम के कप्तान रजत पाटीदार को एक बल्ला उपहार में दिया। इसका एक वीडियो भी आया है इसमें जिसमें इन दोनों की दोस्ती और एकदूसरे के प्रति सम्मान और प्यार झलकता है। यह वीडियो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के ड्रेसिंग रूम का है। इसमें रजत अपने किटबैग के पास अकेले बैठे हुए हैं। वहीं दूसरे छोर पर कुछ साथी खिलाड़ी हैं। टीम में लंबे समय तक रहे दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स भी वहीं थे। इस दौरान विराट वहां घूमते हुए अपने कप्तान की तारीफ करते हैं। विराट इसके बाद अपने किटबैग के पास आते हैं। वे एक बल्ला उठाते हैं और अपना स्टांस लेते हैं। रजत ये देखते हुए अंदाजा लगाने लगे कि क्या होने वाला है। वह समझ जाते हैं कि शायद उन्हें बल्ला मिल सकता है। तब वे कहते हैं कि जिससे खेलते हैं वो वाला। इसपर विराट वह बल्ला रजत की ओर उछाल देते हैं। वहीं रजत भी इसे वैसे ही प्यार से पकड़ते हैं।

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, सिंधू इंडोनेशिया ओपन में हारीं

जकार्ता (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने यहां इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के दूसरे दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। वर्ष 2023 के चैंपियन सात्विक और चिराग ने दबाव में शानदार जज्बा दिखाते हुए रासमुस गेम्के और फ्रेड्रिक सोगार्ड की डेनमार्क की दुनिया की 16वें नंबर की जोड़ी को 68 मिनट में 16-21, 21-18, 22-20 से हराया।

पिछले हफ्ते सिंगापुर ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक और चिराग के रूप में प्रतियोगिता में अब भारत की एकमात्र चुनौती बची है। सात्विक और चिराग की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी अगले दौर में मैन वेई चोंग और काई वुन टी की मलेशिया की सातवीं वरीय जोड़ी से भिड़ेगी। सात्विक ने कहा, 'आज के दिन ऐसा लगा जैसे हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए। यह रणनीति गलत होने के बारे में नहीं था, हम बस अंक गंवा रहे थे। हमने लगभग 15 से 20 अंक अपनी गलतियों से गवांए। वे अंक नहीं जीते - हमने उन्हें सौंप दिए।'

सात्विक ने कहा, 'पहले गेम में स्कोर 15-15 था और फिर अचानक यह 21-15 पर आ गया। मुझे लगा कि हम पर्याप्त रूप से एकाग्र नहीं थे। लेकिन फिर भी हमें भरोसा कायम रखा और एक समय में एक अंक लेते रहे।' कोच हमें कहते रहे, 'शांत रहो, अगर तुम हार भी गए तो कोई बात नहीं, बस आराम से खेलो।' इसलिए हमने शांत और संयमित रहने की कोशिश की, बस अपना खेल खेला और देखा कि चीजें कैसे होती हैं।'

इससे पहले निर्णायक गेम में हार के साथ सिंधू को दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। निर्णायक गेम में एक समय 15-11 से आगे चल रहीं सिंधू को 78 मिनट चले मुकाबले में अंततः 22-20, 10-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम के लिए यह निराशाजनक दिन रहा जब सतीश करुणाकरन और आद्या वरियथ की मिश्रित युगल जोड़ी के अलावा गायत्री गोपीचंद और त्रीशा जॉली की महिला युगल जोड़ी भी हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

सतीश और आद्या को देचापोल पुआवारानुक्रो और सुपिसारा पेइवसाम्प्रान की थाईलैंड की छठी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 25 मिनट में 7-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी। गायत्री और त्रीशा को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो की जापान की जोड़ी के खिलाफ 46 मिनट में 13-21, 22-24 से शिकस्त मिली।

सिंधू ने कहा, 'मुझे लगता है कि मुझे इसे जीत में बदलना चाहिए था। मैं तीसरे गेम में 16-13 से आगे थी लेकिन मुझे लगता है कि वहां से भी खेल थोड़ा तेज था इसलिए मुझे और अधिक नियंत्रण बनाना पड़ा। वहां से उसने बढ़त बना ली और मुझे लगता है कि मैंने स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। उस समय कोई भी जीत सकता था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन कुल मिलाकर मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। अगर मैं आज इसे जीत में बदल पाती तो यह बहुत अच्छा होता। लेकिन हां, इस मैच और इस टूर्नामेंट से बहुत कुछ सीखने को मिला।'

सिंधू ने पहले गेम में में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद इसे जीता लेकिन दूसरा गेम आसानी से गंवा दिया। निर्णायक गेम में भी भारतीय खिलाड़ी 15-11 से आगे थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार गलतियां की जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। चोचुवोंग ने इसका फायदा उठाया और लगातार पांच अंक के साथ मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और फिर मैच जीत लिया।

एंडी फ्लावर का दावा- केकेआर ने बर्बाद किया वेंकटेश अय्यर का करियर

खेल डैस्क । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर को लेकर सनसनीखेज बयान दिया है। 3 जून को आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर 18 साल के लंबे इंतजार के बाद अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। उनका सबसे महंगा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड था, जिन्हें 12.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया। आरसीबी ने भारतीय प्रतिभाओं पर ध्यान केंद्रित किया और श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, केएल राहुल जैसे बड़े नामों के लिए ज्यादा कोशिश नहीं की। उनकी यह रणनीति शानदार साबित हुई, क्योंकि उन्होंने 17 सीजन बाद पहला खिताब जीता। खिताब जीतने के बाद, एंडी फ्लावर ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आरसीबी नीलामी में वेंकटेश अय्यर के लिए 23.50 करोड़ रुपये खर्च करने को तैयार थी, लेकिन केकेआर ने उन्हें 23.75 करोड़ रुपये में रिटेन कर लिया। दुर्भाग्यवश, अय्यर केकेआर के लिए इस भारी कीमत को सही नहीं ठहरा सके। उन्होंने 11 मैचों में केवल 142 रन बनाए, 20.29 की औसत और 139.22 की स्ट्राइक रेट के साथ। फ्लावर ने दावा किया कि अगर वेंकटेश आरसीबी का हिस्सा होते, तो उनका सीजन शानदार होता। उन्होंने अहमदाबाद में फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमने वेंकटेश को बहुत ऊंचा आंका था; इसलिए हमने उनके लिए इतना बड़ा दांव लगाया। हमारी टीम में मजबूत भारतीय कोर चाहिए था। हम युवा और रोमांचक क्रिकेटरों के साथ-साथ टॉप ऑर्डर में एक बाएं हाथ के बल्लेबाज चाहते थे। हमें वह नहीं मिला। मुझे लगता है कि अगर वह हमारे लिए खेलते, तो उनका सीजन बहुत शानदार होता।卐

रोनाल्डो के गोल से जर्मनी को 2-1 से हराकर नेशंस लीग के फाइनल में पहुंची पुर्तगाल

म्यूनिख । स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराकर बाहर कर दिया। खराब मौसम के कारण ये मुकाबला 10 मिनट देर से शुरु हुआ। जर्मनी ने शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये। लियोन गोरेट्जका के अलावा निक वोल्टमेड ने भी गोल करने के लिए मूव बनाये पर सफल नहीं हुए। फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। वहीं रोनाल्डो की पुर्तगाल ने भी वापसी करते हुए हमले किये और जर्मन की रक्षा पंक्ति की पोल खो दी। वहीं पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने 63वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी की टीम को यहां से दबाव में आ गयी। मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने गोल कर टीम की बढ़त 2-1 कर दी। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ में उतरेगी, जबकि पुर्तगाल फाइनल में उतरेगी।

बिहार का 14 साल का सितारा : वैभव ने किया आईपीएल 2026 का दमदार वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मात्र 14 साल की उम्र में बिहार के युवा क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले आईपीएल सीजन में धमाल मचा दिया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने अपनी नन्ही उम्र में बेखौफ बल्लेबाजी और अद्भुत परिपक्वता से सबको हैरान कर दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अप्रैल 2025 में जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेलकर सुर्खियां बटोरीं। उनकी इस पारी में 7 चौके और 11 छक्के शामिल थे। यह भारतीय खिलाड़ी द्वारा आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक और कुल मिलाकर दूसरा सबसे तेज शतक था।

इस उपलब्धि ने उन्हें 14 साल और 32 दिन की उम्र में टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाला सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बना दिया। हालांकि राजस्थान रॉयल्स का सीजन निराशाजनक रहा, लेकिन वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान खींचा। उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें आईपीएल 2025 के फाइनल समारोह में 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैभव ने भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए कहा कि वह अपने पहले सीजन से सीख लेते हुए अपनी गलतियों को सुधारना चाहते हैं और 2026 के आईपीएल में और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा किए गए एक वीडियो में वैभव ने कहा कि आईपीएल में खेलना हर किसी का सपना होता है। मुझे पहले सीजन से बहुत कुछ सकारात्मक मिला और मैंने यह भी सीखा कि अगले सीजन में टीम के लिए मैं क्या बेहतर कर सकता हूं। अगले साल मैं अपनी गलतियों पर काम करूंगा और टीम के लिए और बेहतर प्रदर्शन करूंगा। वैभव ने अपने पहले सीजन की समीक्षा करते हुए कहा कि मेरी सीख यह है कि मुझे इस बार से दोगुना बेहतर करना है ताकि अगले साल मेरी टीम फाइनल में खेले। मैं इस बात पर ध्यान दूंगा कि मैं अपनी टीम के लिए कितना योगदान दे सकता हूं। शानदार आईपीएल डेब्यू के बाद, वैभव को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है, जिसकी कप्तानी आयुष माहात्रे करेंगे। वैभव ने कहा कि यह एक नया टूर्नामेंट है। मैं पहली बार यूके जा रहा हूं, यह एक नया अनुभव होगा। आयुष माहात्रे, जो इस बार चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले, हमारे कप्तान हैं। तैयारी अच्छी चल रही है, और हम ट्रॉफी के साथ लौटने की कोशिश करेंगे। वैभव ने आईपीएल 2025 में 7 मैचों में एक अर्धशतक और एक शतक की मदद से 36 की औसत और 206.55 की स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए।

ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

पेरिस । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर रिकॉर्ड 51वें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। नोवाक जोकोविच ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक ज्वेरेव को सबसे बड़े मंच पर हराना वह चीज है, जिसके लिए मैं निश्चित रूप से मेहनत करता हूं और मैं अभी भी इस उम्र में रोजाना अभ्यास करता हूं। अब जोकोविच का मुकाबला सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर से होगा। अगर जोकोविच जीत जाते हैं। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में नंबर 2 सीड कार्लोस अल्काराज लोरेंजो मुसेट्टी को हरा देते हैं, तो ये एक ऐसा रिकार्ड बन सकता है, जो पहले कभी नहीं किया। एटीपी रैंकिंग के इतिहास में किसी भी व्यक्ति ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के लिए शीर्ष 3 रैंक वाले खिलाड़ियों को नहीं हराया है। जोकोविच जिनेवा में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के बाद यहां पहुंचे हैं। सर्बियाई खिलाड़ी 2023 यूएस ओपन के बाद से अपने पहले बड़े खिताब की तलाश में हैं।

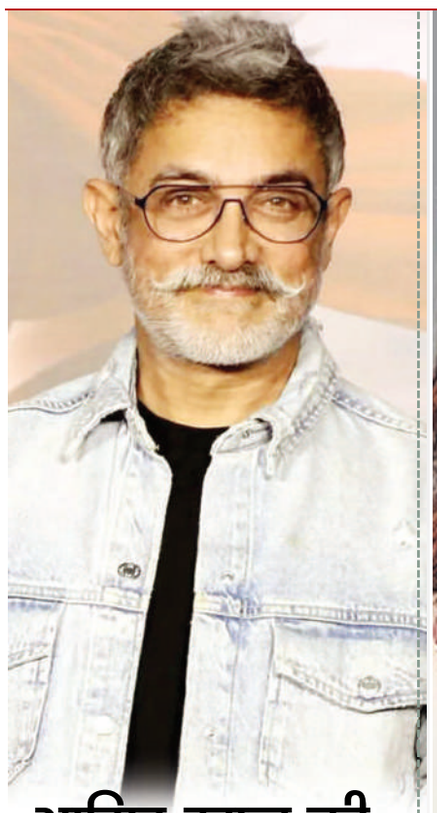

आमिर खान की आखिरी फिल्म होगी महाभारत!

भारत के सबसे पसंदीदा एक्टर्स में से एक आमिर खान ने हाल ही में अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के बारे में रोमांचक खबर शेयर की। अपनी आगामी फिल्म सितारे ज़मीन पर की रिलीज़ के बाद, आमिर अपनी ड्रीम फिल्म महाभारत पर काम शुरू करने का सोच रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने संकेत दिया कि यह भव्य फिल्म उनकी आखिरी भी हो सकती है। हाल ही में राज शामनी के साथ बातचीत में, आमिर खान ने बात की कि वह अपनी आखिरी फिल्म क्या चाहते हैं।

कुछ सोच-विचार के बाद, आमिर खान ने कहा कि यह महाभारत है, एक ऐसी कहानी जिसे वह हमेशा से जीवंत करना चाहते थे। उन्होंने खुलासा किया, यह स्तरित है, इसमें भावनाएं हैं, इसका पैमाना है, दुनिया में आपको जो कुछ भी मिलेगा, वह आपको महाभारत में मिलेगा। इससे पता चलता है कि आमिर इस महाकाव्य कथा के बारे में कितनी गहराई से महसूस करते हैं। उनका मानना है कि महाभारत हर तरह की कहानी और भावना को समेटे हुए है।

कई लोगों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि आमिर ने संकेत दिया कि 'महाभारत' उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। उन्होंने कहा, शायद इसे करने के बाद मुझे लगेगा कि मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं बचा है। मैं इसके बाद कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि इस फिल्म का कंटेंट ऐसा ही होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं काम करते हुए मरूंगा, लेकिन चूंकि आप पूछ रहे हैं, इसलिए यह एक ऐसी चीज है जिसके बारे में मैं सोच सकता हूं। शायद इसके बाद मुझे लगेगा कि मुझे कुछ और करने की जरूरत नहीं है।

'महाभारत' में खुद नहीं रहेंगे आमिर

आमिर ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' से इस बारे में भी बात की थी कि यह प्रोजेक्ट कितना बड़ा होगा। उन्होंने कहा, यह मेरी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है और कहानी लिखने में ही सालों लग जाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इसमें अभिनय करेंगे तो उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि हमें किस किरदार के लिए कौन उपयुक्त है। इसका मतलब है कि वह खुद कोई रोल नहीं कर सकते हैं, लेकिन कहानी के लिए बेस्ट एक्टर का चयन करेंगे। 'महाभारत' के लिए कई डायरेक्टर लगेंगे जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बड़ी फिल्म का निर्देशन करेंगे, तो आमिर ने कहा कि 'महाभारत' एक ऐसी कहानी है जिसे एक बार में नहीं बताया जा सकता। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि वह निर्देशक होंगे या नहीं, उन्होंने बताया कि कहानी कई फिल्मों में बनाई जाएगी। इसलिए, इसे पूरा करने के लिए उन्हें एक से अधिक डायरेक्टर्स की जरूरत होगी।

श्वेता त्रिपाठी बनेंगी थिएटर निर्माता, लाएंगी समलैंगिक मुद्दे पर नाटक

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी जल्द ही थिएटर निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। वह एक मशहूर ब्रिटिश नाटक कॉक का मंचन करेंगी। यह उनका पहला प्रोडक्शन होगा, जिससे वह थिएटर की दुनिया में कदम रख रही हैं। इस नाटक का पहला शो 6 जून को दिल्ली में मैक्स मुलर भवन में होगा। फिर 10 जून को मुंबई में पृथ्वी थिएटर में इसका प्रदर्शन होगा। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे थिएटर हमेशा से बहुत पसंद रहा है। थिएटर में सब कुछ सीधे-सादे तरीके से सामने आता है, कोई भी चीज छुपाई नहीं जा सकती। कॉक बनाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत और रचनात्मक फैसला है, मेरा मानना है कि कहानियों में दुनिया की सारी सच्चाई और खूबसूरती दिखनी चाहिए। श्वेता अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के तहत इस नाटक का निर्माण कर रही हैं। इस नाटक का निर्देशन यूके में रहने वाले मनीष गांधी कर रहे हैं। इसमें रिताशा राठौड़, तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह जैसे कलाकार शामिल हैं। श्वेता के लिए इस नाटक पर काम करना बेहद खास बात है, क्योंकि यह नाटक समलैंगिक प्यार और प्राइड मंथ को सेलिब्रेट करता है। जून महीने को एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए प्राइड मंथ के रूप में मनाया जाता है और ये कहानियां उन्हें सम्मान देने के लिए समर्पित हैं। इसलिए, इस महीने में इस नाटक को दिखाना बहुत मायने रखता है। यह नाटक माइक बार्टलेट नाम के ब्रिटिश लेखक ने लिखा है और मनीष गांधी इसका निर्देशन कर रहे हैं। यह नाटक बहुत गहरी और भावुक कहानी है। इसमें बताया गया है कि इंसान अपनी पहचान और अपने प्यार के बारे में कैसे सोचता है और ये चीजें कैसे बदलती रहती हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो अपने लंबे समय के पुरुष साथी और एक नई महिला के प्रति अपनी भावनाओं के बीच उलझा हुआ है। नाटक उसके दिल की भावनाओं को सीधे-सादे तरीके से पेश करता है। एक्ट्रेस ने कहा, हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब लोग अपनी असली पहचान को खुलकर अपना रहे हैं। कॉक नाटक उस सफर की मुश्किलें और खूबसूरती दोनों को सच्चाई के साथ सामने रखता है। यह सफर थोड़ा उलझा हुआ है। इस नाटक ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर दें, लेकिन एक अच्छे तरीके से। ऐसी कहानियां जो बातचीत को बढ़ावा दें, दूसरों की भावनाओं को समझने में मदद करें, और शायद कुछ बदलाव भी लाएं। श्वेता ने कहा, प्राइड मंथ एक उत्सव है, लेकिन यह ये भी याद दिलाता है कि लोगों को दिखना, शामिल होना और स्वीकार किया जाना अभी भी एक संघर्ष है। इस नाटक के जरिए हम समलैंगिक अनुभवों का सम्मान करना चाहते हैं और उन्हें वह मंच देना चाहते हैं जिसके वे लंबे समय से हकदार हैं। इस नाटक की तैयारी अभी चल रही है, कास्टिंग और प्री-प्रोडक्शन पर काम जारी है। यह नाटक जून 2025 में मुंबई और दिल्ली में शुरू होने वाला है।

निर्देशन पर जो मैं ज्ञान देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि राज खोसला का है

फिल्म निर्माता और एक्ट्रेस पूजा भट्ट ने दिवंगत निर्देशक राज खोसला की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बुद्धिमानी आज भी उनका और नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन देती है। उन्होंने कई पीढ़ियों तक अपनी छाप छोड़ी है, जो लोग उन्हें नहीं जानते, वे भी उनकी कला की सराहना करते हैं। पूजा भट्ट अपने पिता व फिल्म निर्माता महेश भट्ट और मशहूर एक्ट्रेस आशा पारेख के साथ मुंबई के रीजल सिनेमा में आयोजित कार्यक्रम राज खोसला 100- बंबई का बाबू में शामिल हुईं। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने यह कार्यक्रम फिल्म निर्माता और निर्देशक राज खोसला की 100वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित किया था।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस कार्यक्रम की कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, राज साहब एक बड़े सितारे की तरह हैं। भले ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया हो, लेकिन उनकी रोशनी अभी भी मुझमें चमकती है। जब मैं आज के नए फिल्मकारों का मार्गदर्शन करती हूं, तो मुझे उनकी आवाज अपनी आवाज में सुनाई देती है। जो ज्ञान मैं उन्हें देती हूं, वह मेरा नहीं बल्कि उनका है। कहते हैं जो आप अपने बच्चों को सिखाते हैं, वह आपके पोते-पोतियों तक भी जाता है और इस तरह उनकी विरासत धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। उनका नाम और काम उन लोगों तक भी पहुंच रहा है जो उन्हें कभी जानते तक नहीं थे। यह शब्द लेखक अंबरीश रॉयचौधरी की किताब राज खोसला, द ऑथराइज्ड बायोग्राफी से लिए गए हैं। दिवंगत फिल्म निर्माता की बेटियों अनीता खोसला और उमा खोसला कपूर के सहयोग से अंबरीश ने यह किताब लिखी। वह सिनेमा पर आधारित अपनी एक किताब के लिए नेशनल अवार्ड भी जीत चुके हैं। इस कार्यक्रम में राज खोसला की तीन बेहतरीन फिल्मों को दिखाया गया, जिसमें देव आनंद और सुचित्रा सेन की फिल्म बंबई का बाबू, देव आनंद, जॉनी वॉकर और वहीदा रहमान की सी.आई.डी. और धर्मेंद्र, विनोद खन्ना और आशा पारेख की फिल्म मेरा गांव मेरा देश शामिल हैं। फिल्म डायरेक्टर राज खोसला का 9 जून 1991 में निधन हो गया था।

इलियाना डिक्रूज ने अजय देवगन की फिल्म रिजेक्ट करने का बताया कारण

अजय देवगन की फिल्म 'रेड(2018)' में इलियाना डिक्रूज ने मालिनी नाम का किरदार निभाया, यह अजय देवगन के किरदार की पत्नी का रोल था। इस रोल में इलियाना को पसंद भी किया गया। जब 'रेड 2' बनीं तो इलियाना नजर नहीं आईं, उनकी जगह वाणी कपूर दिखीं। इस रिप्लेसमेंट को लेकर तमाम तरह की बातें की गईं। अब इलियाना ने इस बात को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

'रेड 2' करने से इसलिए किया इंकार

हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस से बातचीत के एक सेशन में इलियाना ने 'रेड 2' में काम ना करने को लेकर अपना पक्ष रखा। वह बताती हैं कि फिल्म के डायरेक्टर, मेकर्स ने उनसे कॉन्टैक्ट किया लेकिन वह इन दिनों अपने बच्चे की परवरिश में व्यस्त हैं तो फिल्म नहीं कर पाई। इलियाना का कहना है कि मालिनी का किरदार उनके दिल के बहुत करीब है।

क्या आगे फिल्मों में नजर आएंगी इलियाना

फैंस ने जब इलियाना ने से पूछा कि वह क्या आगे फिल्मों में नजर आएंगी? तो एक्ट्रेस का जवाब था कि बिल्कुल वह फिल्मों में आगे काम करेंगी। इलियाना की आखिर फिल्म 'दो और दो प्यार' थी, यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई।

सैयारा एक ऐसी लव स्टोरी है, जिसे मैं बचपन से सुनता आया हूं

मशहूर निर्देशक मोहित सूरी अपनी आने वाली फिल्म सैयारा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि यह फिल्म उन प्रेम कहानियों की तरह है, जिन्हें वह बचपन से सुनते और पसंद करते आए हैं। मोहित सूरी को जहर, कलयुग, वो लम्हे, आवारापन, आशिकी 2 जैसी म्यूजिकल हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्में प्यार और इमोशन्स से भरी होती हैं और उनके गाने लोगों को लंबे समय तक याद रहते हैं। यह सभी फिल्में विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनी हैं, लेकिन सैयारा को मोहित सूरी ने पहली बार यशराज फिल्म्स के बैनर तले तैयार किया है। सैयारा फिल्म के जरिए यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी एक साथ आए हैं। दोनों ही दिल को छूने वाली लव स्टोरीज बनाने के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म भी एक गहरी और भावनात्मक प्रेम कहानी है। इस फिल्म में दो नए कलाकारों को लॉन्च किया गया है। इनमें आहान पांडे और अनीत पड्डा शामिल हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए मोहित सूरी ने कहा, आप फिल्मों के जरिए बहुत सारी खूबसूरत कहानियां बता सकते हैं, लोगों को अलग-अलग सफर पर ले जा सकते हैं। लेकिन, रोमांटिक फिल्में हमेशा खास होती हैं। सैयारा मेरे लिए उन लव स्टोरीज की तरह है, जिन्हें मैं बचपन से सुनता और पसंद करता आया हूं। मैं खुशकिस्मत हूं कि बहुत से लोगों ने अपने असली प्यार के किस्से मेरे साथ बांटे हैं। मोहित सूरी ने आगे कहा, मैं सैयारा के टीजर को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया से बहुत खुश हूं। मुझे आहान और अनीत के लिए बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने दिल से मेहनत की है, तभी लोग टीजर से इतना जुड़ पा रहे हैं। मैं ये खुशी अपनी पूरी टीम और यशराज फिल्म्स के साथ बांटना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि जब हम प्रमोशन के दौरान सैयारा के प्यार और इमोशन्स के हर रंग को दिखाएंगे, तो लोग इससे और भी जुड़ेंगे। यशराज फिल्म्स द्वारा बनाई गई फिल्म सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

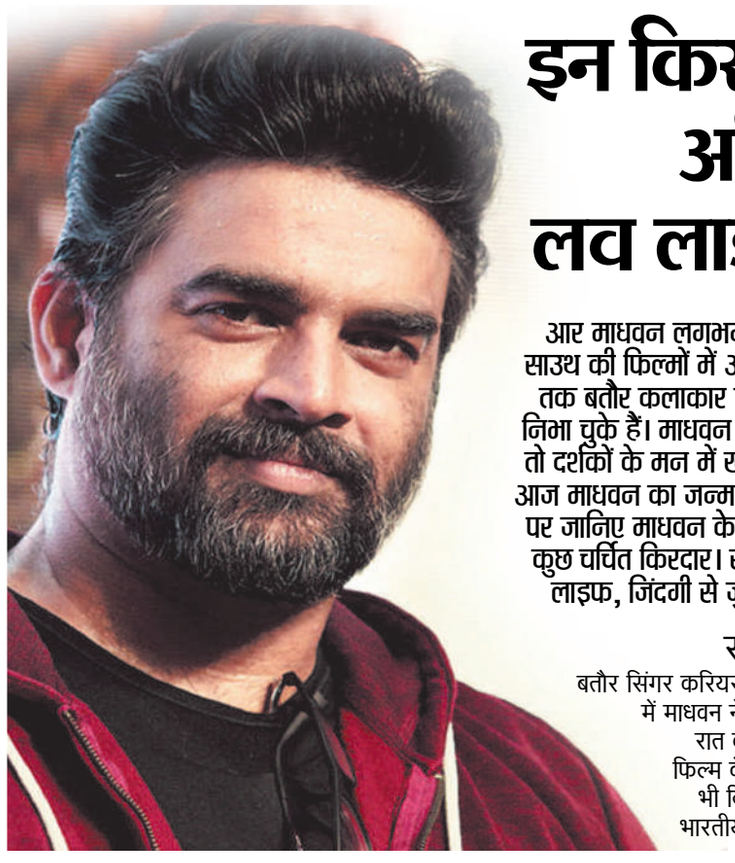

इन किरदारों में माधवन ने दिखाए अभिनय के अलग-अलग रंग लव लाइफ भी है बिल्कुल फिल्मी

आर माधवन लगभग 30 साल से हिंदी और साउथ की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। अब तक बतौर कलाकार वह हर तरह के किरदार निभा चुके हैं। माधवन के निभाए कई किरदार तो दर्शकों के मन में खास जगह बना चुके हैं। आज माधवन का जन्मदिन है। इस खास मौके पर जानिए माधवन के निभाए हिंदी फिल्मों के कुछ चर्चित किरदार। साथ ही माधवन की लव लाइफ, जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें भी?

रहना है तेरे दिल में

बतौर सिंगर करियर की शुरुआत साल 1996 में माधवन ने की, वह हिंदी फिल्म 'इस रात की सुबह नहीं' से जुड़े, इस फिल्म के एक गाने में गेस्ट रोल में भी दिखे। फिर 1998 में दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया था। बॉलीवुड में उनका डेब्यू साल 2001 में फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के जरिए हुआ। आज यह एक कल्ट रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

रंग दे बसंती

राकेश ओमप्रकाश मेहरा निर्देशित फिल्म 'रंग दे बसंती(2006)' में माधवन एक एयरफोर्स ऑफिसर अजय सिंह राठौर के किरदार में दिखे। आमिर खान, सिद्धार्थ, सोहा अली खान के अलावा एक बड़ी स्टार कास्ट इस फिल्म में शामिल रही। फिल्म 'रंग दे बसंती' में माधवन के किरदार के कारण ही कहानी आगे बढ़ती है। यह किरदार कहानी को एक नया मोड़ देता है।

थ्री इडियट्स

फिल्म 'थ्री इडियट्स(2009)' का फरहान कुरैशी का किरदार आज भी दर्शकों को याद है। इस किरदार में माधवन खूब जमे। फिल्म में आमिर खान और शरमन जोशी के किरदारों के साथ माधवन के किरदार की दोस्ती दर्शकों के बीच एक मिसाल बन चुकी है। इस फिल्म को राजकुमार हिरानी ने निर्देशित किया था।

तनु वेड्स मनु

साल 2011 में कंगना रनौत के साथ फिल्म 'तनु वेड्स मनु' में माधवन ने मनु का किरदार निभाया। एक एनआआई डॉक्टर के सीधे-सादे किरदार में वह खूब पसंद किए। इस फिल्म के सीक्वल में भी माधवन की जोड़ी कंगना रनौत के साथ बनी थी। दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया। इस फिल्म को आनंद एल रॉय ने निर्देशित किया था।

साला खडूस

साल 2016 में फिल्म 'साला खडूस' में माधवन ने बॉक्सिंग कोच का रोल किया, जो एक यंग लड़की को ट्रेंड करता है। इस फिल्म को तमिल और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज किया। फिल्म को सुधा कोंगारा ने निर्देशित किया था। माधवन ने एक सख्त बॉक्सिंग कोच का रोल बखूबी निभाया था।

रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट

फिल्म 'रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट (2022)' में माधवन ने इसरो वैज्ञानिक नांबी नारायणन का रोल निभाया था, उन पर जासूसी के गलत आरोप लगे। इस वैज्ञानिक ने इसके बाद बहुत कुछ झेला। बाद में इस आरोप से वह दोषमुक्त भी हुए। इसी कहानी को रॉकेट्री- द नांबी इफेक्ट में दिखाया गया। इस फिल्म को आर माधवन ने ही निर्देशित किया था।

धोखा राउंड द कॉर्नर

साल 2022 में ही 'धोखा- राउंड द कॉर्नर' नाम की एक रोमांटिक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में भी माधवन नजर आए। इस फिल्म में धोखे की ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हैरान करती है। फिल्म में एक पति के रोल में माधवन नजर आए।

शैतान

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'शैतान' में माधवन ने एक नेगेटिव रोल किया, जो शैतानी शक्तियों का मालिक है। इस फिल्म में अजय देवगन और ज्योतिका जैसे एक्टर्स भी लीड रोल में दिखे। इस सुपरनेचुरल हॉरर फिल्म में माधवन दर्शकों को डराने में कामयाब रहे। फिल्म को विकास बहल ने निर्देशित किया था।

हिसाब बराबर

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'हिसाब बराबर' में माधवन ने एक रेल्वे टिकट चेकर का रोल किया, जो एक बड़े घोटाले को सामने लाता है। एक आम आदमी होकर वह भष्टाचार करने वालों से कैसे लड़ता है, यही इस फिल्म की कहानी है। फिल्म को अश्विनी धीर ने निर्देशित किया, इसमें नील नितिन मुकेश नेगेटिव रोल में नजर आए।

केसरी 2

हाल ही में फिल्म 'केसरी 2' में माधवन नजर आए। यह फिल्म जलियांवाला बाग नरसंहार पर आधारित एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म रही। इसमें अक्षय कुमार ने वकील सी शंकरन नायर का रोल किया जो इस केस को लड़ते हैं। वहीं ब्रिटिश सरकार की तरफ से यह केस माधवन का किरदार लड़ता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।